संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 25
पृष्ठ 8
शनिवार
11 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- भीषण ठंड के लिए तैयार रहिए!

विचार- परीक्षा में ऊंच-नीच पर न्याय का...

खेल- क्या स्मृति मंधाना को लग गई नजर...

यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेलाः सीएम योगी बोले-

हमारा पैसा विदेशों में गया तो अलगाववाद और नक्सलवाद पर होगा खर्च

- यूपी में बने उत्पादों को मिला एक मंच
- उत्तर प्रदेश में बनेगी इलेक्ट्रिक बसें
- मोबाइल फोन बनाने में यूपी सबसे आगे

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित किए। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि, हर सेक्टर में हमें आगे बढ़ना होगा। दीपावली के अवसर पर हर हिंदू परिवार लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा को घर में रखता है। मूर्ति को चीन बनाता था जो देवी देवता पर विश्वास नहीं करता। वो मार्केट को भुना करके पैसे को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का पैसा भारत के अंदर रहेगा तभी आत्मनिर्भर बनेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दीपावली के पहले जब बाजार में चहल पहल है। पर्व से पहले हर भारतीय के मन में यह भाव रहता है कि वह कुछ न कुछ खरीदारी करेगा। इसी से जोड़ते हुए पूरे प्रदेश में ट्रेड फेयर लगाने का निर्णय लिया गया। 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था। इसमें यूपी में बने उत्पादों को एक मंच मिला। 500 से अधिक विदेशी खरीदार आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी बीमारी प्रदेश की जगह उद्यम प्रदेश बन रहा है। उद्यम के साथ तकनीक भी आएगी। उसके लिए स्थानीय स्तर पर सर्विस सेंटर भी होंगें। पिछले 8.5 साल में बीमारू राज्य से बदलकर ग्रोथ इंजन बना है। 2017 से पहले यूपी में उद्योग लगाना कितना कठिन था। अराजकता की वजह से उद्यमी यहां से भागने की फिराक में थे। सुरक्षा का माहौल मिला, नियमों में सरलीकरण किया, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को आसान किया गया। यही प्रदेश में आज 96 लाख एमएसएमई पुनर्जीवित हुए। इसमें 2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। कृषि के बाद यही सबसे ज्यादा पैमाने पर रोजगार दे रहा है। कोरोना में जब 40 लाख श्रमिक वापस आए तो एमएसएमई ने कम से कम एक कारीगर को रखा। यूपी आत्मनिर्भरता का मॉडल बन रहा है। कानून व्यवस्था के साथ ही आधुनिकता में भी प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। 2017 के पहले प्रदेश में केवल 2 एयरपोर्ट क्रियाशील थे। वाराणसी और लखनऊ। आज यूपी में 16 एयरपोर्ट कार्य कर रहे हैं। इसमें चार इंटरनेशनल है। देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है। मेट्रो आज प्रदेश के छह शहरों में चल रही है। अब उत्तर प्रदेश में ही इलेक्ट्रिक बस बनेगी। जल्द ही यह यूनिट शुरू होने वाली है। पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करने में सफलता मिलेगी। सीएम ने कहा कि देश का पहला इन्लेंड वाटरवे यूपी में है। हर बॉर्डर और जिला मुख्यालय को फोरलेन से जोड़ा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर स्ट्रक्चर हो, सुरक्षा का माहौल हो और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सरल करने से हर तरफ से निवेश आने लगा। लोकल मार्केट में हमारे व्यापारी का उत्पाद बिके। देश के अंदर सबसे अधिक जीआई टैग उत्तर प्रदेश को मिले हैं। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक आइटम बनाने का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। मोबाइल फोन बनाने में यूपी सबसे आगे है। देश के अंदर 55 फीसदी मोबाइल फोन का उत्पादन यूपी कर रहा है। प्रदेशवासियों से अपील करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जो भी खरीदें स्वदेशी खरीदें। आने वाले समय में इससे भी बड़ा प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाएंगे। गाय के गोबर से मां लक्ष्मी का आगमन होता है। उगोरखपुर की ही एक बेटी मसाले बना रही है। ऐसा न हो कि रविकिशन स्वदेशी की बात करे और घड़ी विदेशी पहनें। हम जो भी गिफ्ट दे वो स्वदेशी दें। अगली बार इससे भी बड़ा आयोजन होगा। सीएम ने सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विभाग द्वारा स्वदेशी उत्पादों पर बनाई शॉर्ट फिल्म देखी।

टेक्सटाइल सेक्टर में आ रही नई नीति

लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि पूरे प्रदेश में यूपी ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 19 अक्टूबर तक यह स्वदेशी मेला आयोजित होगा। हस्त शिल्पी कारीगरों को पहले बड़ा बाजार नहीं मिलता था। इनके लिए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ। वहां पांच लाख से अधिक का फुटफॉल हुआ। सीएम की मंशा थी कि उत्पादों को प्रमोट करने के लिए जनपद स्तर पर आयोजन होना चाहिए। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना से हस्त शिल्पियों को पूरे प्रदेश में पहचान मिली। युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनाना है, उसी रस्ते पर सरकार काम कर रही है।

100 एकड़ में बनाया जाएगा सरदार वल्लभ भाई पटेल औद्योगिक जोन

टेक्सटाइल सेक्टर में नई नीति लेकर आ रहे हैं, जिससे प्रदेश के एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। जीएसटी में छूट से बाजारों में रौनक है। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रमोट करते हैं। दिवाली की खरीदारी में लोकल उत्पादों को प्राथमिकता दें। पूरे प्रदेश में 100 एकड़ में सरदार वल्लभ भाई पटेल औद्योगिक जोन बनाया जाएगा। छोटे उद्यमियों को सस्ती जमीन मिले इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किया गया है। 19 अक्टूबर को अयोध्या में इस मेले का समापन प्रस्तावित है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य बनाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केंद्र से चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा देने की लगातार उठ रही मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को चार हफ्ते का समय दिया है ताकि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने से जुड़ी याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल कर सके। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित ये याचिकाएं शिक्षाविद जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई लोगों ने दाखिल की हैं। इन याचिकाओं में केंद्र सरकार से मांग की गई है कि वह दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए वादे के अनुसार, जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य का दर्जा दे। वहीं मामले में याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 370 को रद्द करने को सही ठहराया गया था और केंद्र

को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर 2024 तक कराने और जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया गया था। साथ ही जम्मू-कश्मीर राज्य दर्जा याचिका के वादी इरफान हाफी लोन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने पहले यह निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सेप्टंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और राज्य दर्जा जल्द बहाल किया जाए। इस दिशा में उन्होंने कोर्ट को एक प्रस्ताव भेजा है जिसमें कहा गया है कि संविधान की संघवाद की भावना के अनुसार, राज्य दर्जा एक निश्चित समय सीमा के भीतर बहाल हो जाना चाहिए।

केरल के मंदिर से सोना गायब होने पर हाईकोर्ट सख्त, एसआईटी को आपराधिक केस दर्ज करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य पुलिस को एक मंदिर के साइड फ्रेम या लिंटल से कथित सोने की हेराफेरी के मामले में आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और न्यायमूर्ति के वी जयकुमार की खंडपीठ ने यह निर्देश तब जारी किया जब अब तक की जाँच से पता चला कि साइड फ्रेम या लिंटल से प्राप्त सोने का वास्तव में दुरुपयोग किया गया था। अदालत ने कहा कि सतर्कता रिपोर्ट

में लगभग 474.9 ग्राम सोने से संबंधित एक महत्वपूर्ण विसंगति सामने आई है, जिसे सोने की परत चढ़ाने का काम करने वाले प्रायोजक उन्नीकृष्णन पोट्टी को सौंप दिया गया था। हालाँकि, रिकॉर्ड से यह पता नहीं चलता कि सोने की यह मात्रा कभी औपचारिक रूप से त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को सौंपी गई थी। पीठ ने विशेष जाँच दल (एसआईटी), जिसका गठन पहले संबंधित मुद्दों की जाँच के लिए किया गया था, को मामले के इस पहलू और जाँच के दौरान सामने आई किसी भी अन्य अनियमितता की भी जाँच करने का निर्देश दिया। पीठ ने यह भी आदेश दिया कि सतर्कता रिपोर्ट टीडीबी को सौंपी जाए, जो उसे राज्य पुलिस प्रमुख को भेजे। राज्य पुलिस प्रमुख को निर्देश दिया गया कि वे एडीजीपी (अपराध शाखा एवं कानून व्यवस्था) एच. वेंकटेश को मामला दर्ज कर जाँच शुरू करने का निर्देश दें। 9 अक्टूबर के सरकारी आदेश के अनुसार, एडीजीपी वेंकटेश, एसआईटी के प्रमुख हैं और उन्हें अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए एक व्यापक, निष्पक्ष और त्वरित जाँच सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। एसआईटी को छह हफ़्तों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने और हर दो हफ़्ते में अदालत को स्थिति की जानकारी देने को कहा गया है। पीठ ने स्पष्ट किया कि एसआईटी सीधे अदालत के प्रति जवाबदेह रहेगी और उसे पूरी गोपनीयता बनाए रखनी होगी, जाँच पूरी होने तक जनता या मीडिया को जाँच का कोई भी विवरण बताने से बचना होगा।

बंगाल में मंत्री सुजीत बोस के घर ईडी का दूसरी बार छापा, नगर निगम घोटाले में 11 ठिकानों पर जांच का शिकंजा

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह नगर निगम भर्ती भ्रष्टाचार मामले की जाँच के सिलसिले में कोलकाता और आसपास के इलाकों में कम से कम 11 जगहों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जिसमें अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस का कार्यालय भी शामिल है।

सुरक्षाकर्मियों के साथ, ईडी की टीमों ने सभी जगहों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। मंत्री का कार्यालय साल्ट लेक के सेक्टर 1 स्थित एक इमारत में स्थित है, जहाँ पिछले चार घंटों से तलाशी चल रही है। मंत्री द्वारा संचालित विभिन्न कंपनियों के कार्यालय भी यहीं स्थित हैं। नागेरबाजार इलाके में एक पार्षद के आवास के अलावा शरत बोस रोड और न्यू अलीपुर स्थित परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है।

पवन सिंह विवाद: प्रशांत किशोर से मिलीं ज्योति सिंह, कहा- राजनीति नहीं, महिलाओं की आवाज़ बनूंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भोजपुरी गायक-अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर से मिलने पटना के शेखपुरा हाउस पहुंचीं। इसके बाद ज्योति सिंह की मुलाकात प्रशांत किशोर से हुई। मुलाकात के बाद ज्योति सिंह

ने कहा कि मैं यहाँ चुनाव लड़ने या टिकट मांगने नहीं आई हूँ, मैं यह सुनिश्चित करने आई हूँ कि किसी और महिला को मेरे जैसा अन्याय न सहना पड़े। मैं ऐसी सभी महिलाओं की आवाज़ बनना चाहती हूँ। इसलिए मैं प्रशांत भैया से मिली। चुनाव या टिकट पर कोई चर्चा नहीं हुई। मैं यहाँ सिर्फ़ उन सभी महिलाओं के लिए आई हूँ। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि ज्योति जी एक बिहारी और एक महिला के तौर पर यहाँ आई थीं। हमने उनकी बात सुनी। सबसे पहले, उन्होंने चुनाव लड़ने के बारे में कुछ नहीं कहा। मुझे लगा कि चुनाव लड़ना या टिकट पाना उनका मकसद नहीं है। उनके अपने शब्दों में, उनके साथ घोर अन्याय हो रहा है। वह चाहती हैं कि उनके साथ जो हुआ, वह बिहार की किसी और महिला के साथ न हो। वह जन सुराज से मदद चाहती हैं।

करवा चौथ पर संस्कृति का सम्मान

एससी ने महिला कर्मचारियों को दी पारंपरिक परिधान की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी कर महिला कर्मचारियों को करवा चौथ 2025 के अवसर पर शुक्रवार को मानक वर्दी के बजाय पारंपरिक और सादे परिधान पहनने की अनुमति दे दी। अधिसूचना में कहा गया कि करवा चौथ के अवसर पर

सक्षम प्राधिकारी ने रजिस्ट्री की महिला कर्मचारियों की ओर से प्राप्त अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें 10 अक्टूबर, 2025 को निर्धारित वर्दी के स्थान पर पारंपरिक सादे कपड़ों में कार्यालय में उपस्थित होने की अनुमति दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय न्यायालय रजिस्ट्री की महिला कर्मचारियों के औपचारिक अनुरोध के बाद आया है, जिसमें कार्यस्थल की मर्यादा बनाए रखते हुए उत्सव मनाने की अनुमति मांगी गई थी। गौरतलब है कि भारत में विवाहित महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाने वाला करवा चौथ, अपने पति की भलाई और दीर्घायु के लिए उपवास और प्रार्थना का दिन है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कर्मचारियों की पोशाक "पारंपरिक और शालीन" होनी चाहिए, ताकि न्यायालय परिसर में अपेक्षित शिष्टाचार बना रहे।

केजरीवाल का बड़ा सवालः

दलित आईपीएस की आत्महत्या, क्या जातिगत उत्पीड़न है?

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को हरियाणा के दलित आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि जातिगत उत्पीड़न के कारण अधिकारी ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने दोषियों के लिए कड़ी सज़ा की भी माँग की। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, केजरीवाल ने कहा, हरियाणा के दलित आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार जी को अपनी जाति के कारण इतना उत्पीड़न सहना पड़ा कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। उन्होंने आगे कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए।

आटो से घर जा रही महिला का गहनों से भरा पर्स छीनकर भागे बाइक सवार, मचा हड़कंप

प्रयागराज। शहर में दिन दहाड़े चेन स्नेचिंग की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पहुंची कोतवाली पुलिस छानबीन में जुट गई है। बदमाशों का सुराग नहीं लगा। झूंसी की रहने वाली एक महिला ऑटो से घर जा रही थी। शहर में दिन दहाड़े चेन स्नेचिंग की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पहुंची कोतवाली पुलिस छानबीन में जुट गई है। बदमाशों का सुराग

नहीं लगा। झूंसी की रहने वाली एक महिला ऑटो से घर जा रही थी। गोबर गली के पास एक बाइक पर सवार तीन बदमाश आटो के पास पहुंचे और महिला के हाथ से गहनों से भरा पर्स छीनकर भाग निकले। महिला के शोरगुल मचाने पर लोगों ने सुभाष चौराहे तक बदमाशों का पीछा किया लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। महिला के अनुसार पर्स में दो मंगलूस्त्र, दो अंगूठी, एक झुमका, मोबाइल फोन के साथ ही 12 हजार रुपये नकद थे। महिला की ओर से कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

संगमनगरी में मनाया गया बिग बी का जन्मदिन, कवियों ने किया मधुशाला की कविता का पाठ

प्रयागराज। प्रयागराज सेवा समिति के तत्वावधान में अभिताभ बच्चन के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर मधुशाला पर काव्य पाठ

किया गया। प्रयागराज सेवा समिति के तत्वावधान में अभिताभ बच्चन के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर मधुशाला पर काव्य पाठ किया गया। महानायक के 83वें जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर समिति के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कवियों ने मधुशाला की कविताओं का पाठ किया। गणेश पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अमिताभ बच्चन के चित्र पर तिलक लगाकर उनके दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना मां गंगा और श्री वेणी माधव से की गई। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया गया। तीर्थराज पांडेय पांडेय और विष्णु दयाल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पीसीएस परीक्षा के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। पीसीएस (प्री) परीक्षा–2025 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी की है। ट्रेनों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जाएगा। इसके अलावा रूटीन ट्रेनों के समय में भी परिवर्तन किया जा सकता है, ताकि अभ्यर्थी रूटीन ट्रेनों के माध्यम से गंतव्य के लिए रवाना हो सके। पीसीएस परीक्षा सूबे के 75 जिलों में 12 अक्तूबर को होगी। इसमें भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए एनसीआर के प्रयागराज मंडल ने विशेष तैयारी की है।

रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला, इटावा, मैनपुरी आदि पर विशेष निगरानी एवं यात्री सहयोग के लिए अधिकारियों, वाणिज्य कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस की टीमों को तैनात कर रहा है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से स्टेशनों की गतिविधियों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। अभ्यर्थियों के आवागमन के सुचारू संचालन के लिए प्रयागराज मंडल ने रिजर्व रेकों की व्यवस्था की है। मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि स्पेशल ट्रेन का संचालन दादरी, टूंडला, कानपुर सेंट्रल एवं प्रयागराज जंक्शन से किया जा सकता है।

पटाखा कारोबारी और उसके भतीजे समेत तीन भगोड़ा, 25-25 हजार का इनाम घोषित

प्रयागराज। पटाखा कारोबारी मोहम्मद कादिर और उसके भतीजे कासिफ तथा एक अन्य आदिल पर पुलिस ने 25–25 हजार का इनाम घोषित किया है। साथ ही इन सभी के घरों में कोर्ट के आदेश पर बृहस्पतिवार को कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया है। यही नहीं ढोल–नगाड़ों के साथ डुगडुगी बजवाते हुए मुनादी संग वीडियोग्राफी कराई गई। मोहल्ले में एलान किया गया कि आरोपी को भगोड़ा घोषित हो चुके हैं। पुलिस के मुताबिक, कादिर समेत अन्य आरोपियों पर प्री–चार्ज पे कंपनी में रुपये दोगुना करने का लालच देकर सैकड़ों लोगों से ठगी का आरोप है। मामले में शाहगंज समेत कई थानों में एफआईआर दर्ज हैं। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहे हैं। अदालत ने पहले ही कादिर की गिरफ्तारी के लिए गैर–जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया था लेकिन अब तक आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। ऐसे में न्यायालय की ओर से आरोपियों को भगोड़ा घोषित कर कुर्की जब्ती का नोटिस चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट में अगली सुनवाई के लिए छह नवंबर 2025 की तारीख तय की गई है। अगर तब तक आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

सीबीआई अफसर बनकर शिक्षिका को किया डिजिटल अरेस्ट, ठगे 6.30 लाख

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र की शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट कर 6.30 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। ठग ने पीड़िता के मोबाइल नंबर से अपराध होने पर मुंबई के कोलाबा में एफआईआर दर्ज होने का झांसा दिया और सीबीआई अफसर बनकर रुपये ऐंठ लिए। वहीं अन्य दो मामलों में ठगों ने पीड़ितों को 20.94 लाख रुपये की चपत लगा दी। तीनों मामलों में साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। शिवकुटी थाना क्षेत्र निवासी महिला एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पास अंजान मोबाइल नंबर से कॉल आई।

ईशू पाल की मौत के जिम्मेदारों पर अभी तक नहीं हुई कार्रवाई

प्रयागराज। बहरिया में संविलियन विद्यालय धमौर का गेट गिरने से ईशू पाल की मौत के मामले में सचिव और प्रधानाध्यापक को भले ही निलंबित कर दिया गया है। लेकिन विद्यालय में फैली दुर्व्यवस्था के सापेक्ष की गई कार्रवाई कम है। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अधिकारियों के आदेश के बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी।

बता दें कि सोमवार की सुबह धमौर निवासी मनोज पाल अपने बेटे ईशू पाल 6 वर्ष के साथ शौच के लिए गए थे। लौटने के बाद मनोज पाल विद्यालय के हैंडपंप पर हाथ धोने लगे और ईशू गेट पकड़ कर खेलने लगा तभी गेट गिर गया और दब कर ईशू पाल की मौत गई। संविलियन विद्यालय में कुल 165 बच्चे पंजीकृत हैं। उपस्थित प्रतिदिन आधे से कम ही होती है। जिन्हें पढ़ाने के लिए 11 अध्यापक नियुक्त हैं। किंतु उनमें से पांच अध्यापक तो कभी–कभार आते हैं। उन अध्यापकों की ऊंची पहुंच होने के कारण उन पर कार्रवाई को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी भी कतराते हैं। चार बीघे से अधिक विद्यालय का परिसर है।

सड़क एरिया को छोड़कर बाउंड्रीवॉल अभी तक नहीं बनाई गई है। विद्यालय की जमीन पर ग्राम वासियों का कब्जा है। विद्यालय के कक्षा कक्ष की दीवार से लगा हुआ ग्रामीणों द्वारा कचरा इकट्ठा किया गया है। निलंबित प्रधानाध्यापक राम आधार ने बताया कि शिकायत करने पर ग्रामीण और उपद्रव करने लगते हैं। विद्यालय परिसर में ही दुर्गा पूजा महाशिवरात्रि पर मेला लगाया जाता है। मना करने पर ग्रामीण आक्रोशित हो जाते हैं। दीवारों में गंदी–गंदी गालियां लिख दी जाती हैं। शाम के समय अराजकतत्वों का जमावड़ा होता है। आधा दर्जन से अधिक बार खिड़की दरवाजे तक उखाड़ ले गए हैं। शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

बीडीओ और खंड शिक्षा अधिकारी ने किया था औचक निरीक्षण

बहरिया। गेट के गिरने से ईशू पाल की मौत के बाद चर्चा आया संविलियन का औचक निरीक्षण 29 सितंबर को खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया शिव औतार ने किया था। विद्यालय में फैली अव्यवस्था को लेकर प्रधानाध्यापक को फटकार लगाई थी और 17 बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। 22 अगस्त को खंड विकास अधिकारी कविता तिवारी ने विद्यालय का निरीक्षण किया था तो उसे समय शिखा राय और विनीता जायसवाल अनुपस्थित मिली। खंड विकास अधिकारी ने इन दोनों शिक्षिकाओं का एक–एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया था।

धमौर में स्कूल का गेट गिरने से बालक की मौत के मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। एडीओ पंचायत बहरिया रविदत्त मिश्रा सोमवार और मंगलवार को भी थाने आए थे। लेकिन जांच कर तहरीर देने की बात कह कर चले गए। मामले में अभी तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है।

ब्रजेश सिंह –थानाध्यक्ष बहरिया

दो क्विंटल के गेट के नीचे दबे मासूम की कई नसें फटने से हुई थी मौत

प्रयागराज। संविलियन विद्यालय धमौर में बुधवार सुबह छह वर्षीय ईशू पाल की मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि हादसे में बच्चे की आंत, लिवर और मस्तिष्क की नसें फट गई थीं, जिससे उसकी जान चली गई। प्रशासन ने प्रधानाध्यापक राम आधार और ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया है। ईशू के पिता मनोज पाल स्कूल के पास खड़े होकर किसी व्यक्ति से बात कर रहे थे। उसी दौरान ईशू स्कूल के जर्जर गेट को पकड़कर खेलने लगा तभी अचानक गेट उसके ऊपर गिर गया। गेट का वजन दो क्विंटल के करीब था जिसे अकेले उठाया नहीं जा सका। ग्रामीणों की मदद से बच्चे को किसी तरह बाहर निकाला गया। पिता मनोज ईशू को गोद में लेकर बाइक से अस्पताल जा रहे थे, तभी उसके मुंह से खून निकला और सांसें रुक गईं। पिता यह कहते हुए फफक पड़े कि गरीबी के चलते बेटे की साइकिल की इच्छा पूरी नहीं कर सके जिसकी पीड़ा उन्हें जीवन भर रहेगी।

विद्यालय परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण चल रहा है। निर्माण सामग्री ले जाते समय गेट टूट कर लटक गया था। गेट करीब तीन महीने से खराब था। जानकारी देने के बाद भी ग्राम प्रधान ने उसकी मरम्मत नहीं कराई। – राम आधार, प्रधानाध्यापक प्रधानाध्यापक ने गेट टूटने की सूचना नहीं दी थी। जानकारी होती तो यह मामूली काम था जिसे करा दिया जाता। – मानसिंह यादव, ग्राम प्रधान

आठ वर्षों में प्रदेश के निर्यात में दोगुनी वृद्धि : नंदी

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने वृहस्पतिवार को भारत स्काउट गाइड इंटर कॉलेज में आयोजित 10 दिवसीय स्वदेशी उत्पाद मेले का शुभारंभ किया। नंदी ने कई स्टॉलों से सामान खरीदकर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि आठ वर्षों में प्रदेश के निर्यात में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों का अहम योगदान रहा है। प्रयागराज के अमरूद और मूंज उत्पादों को ओडीओपी और जीआई टैगिंग के माध्यम से वैश्विक पहचान मिली है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में ट्रेड शो आयोजित करने का निर्णय निर्यात प्रोत्साहन की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। लोकल से ग्लोबल की दिशा में बढ़ता उत्तर प्रदेश अब वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। नंदी ने ओडीओपी योजना के तहत बेकरी ट्रेड की तीन महिलाओं को टूल किट और मिशन शक्ति के अंतर्गत

30 बालिकाओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। मेला 18 अक्तूबर तक चलेगा। इस अवसर पर विधायक डॉ. वाचस्पति (बारा), गुरु प्रसाद मौर्य (फाफामऊ), जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, उपायुक्त उद्योग शरद टंडन, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं उद्यमी मौजूद रहे।

गोबर से बने लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की मांग सबसे अधिक

प्रयागराज। स्वदेशी मेले में पहले दिन 50 स्टॉल लगाए गए हैं जिनकी संख्या आगे बढ़ाई जाएगी। मेले में वर्तिका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बनाए गए गोबर और गंगा जल से बने पानी में तैरने वाले इको फ्रेंडली दीये और लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां की काफी मांग है। समूह की आराधना त्रिपाठी बताती हैं कि इस बार सवा लाख से अधिक पलोटिंग दीये तैयार कर चुकी हैं और कई शहरों से इनकी मांग आ रही है। कृष्णा महिला स्वयं सहायता समूह की तरफ से तैयार की गई बिजली की सजावट और एलईडी बल्ब की भी अच्छी मांग है।

यूपी बोर्ड के परीक्षार्थियों के शैक्षिक विवरणों में कल से होगा संशोधन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए पंजीकृत छात्र–छात्राओं के शैक्षिक विवरणों में 11 अक्तूबर से 25 अक्तूबर मध्य रात्रि तक संशोधन किया जा सकेगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट नचउेच.मकन.पद क्रियाशील रहेगी।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह की ओर से सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) को इस बारे में दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत छात्र–छात्राओं के विषय/वर्ग, उनके नाम, माता/पिता के नाम में वर्तनी त्रुटि, जेंडर, जाति, फोटो और कक्षा–11 के पंजीकरण में अंकित हाईस्कूल के त्रुटिपूर्ण अनुक्रमांक संशोधित किए जा सकेंगे। इसके साथ ही जाति संशोधन व फोटो अपडेशन भी होगा।

परीक्षार्थियों के इन विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर संबंधित प्रधानाचार्य द्वारा उसे वेबसाइट पर लॉगइन कर निर्धारित समय में संशोधित/अपडेट कराया जाएगा। इसके अलावा ऑफलाइन माध्यम से छात्र/छात्राओं की जन्मतिथि में संशोधन, छात्र/माता/पिता के पूर्ण नाम में संशोधन और छात्र/छात्राओं के विवरण को नियमानुसार डिलीट/रिस्टोर किए जाने संबंधी संशोधन के लिए प्रधानाचार्यों से 31 अक्तूबर तक प्रार्थना पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

इनमें छात्र का प्रवेश आवेदन पत्र, एसआर रजिस्टर की प्रमाणित प्रति, उपस्थिति पंजिका की प्रमाणित प्रति, परीक्षार्थी का पहचान पत्र, कक्षा नौ या 11 के पंजीकरण कार्ड की प्रतिलिपि, सही प्रविष्टियों से संबंधित हलफनामा, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित टीसी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित टीसी, विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित आवेदन पत्र शामिल हैं। इनका परीक्षण कर आख्या संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को पांच नवंबर तक प्रेषित करनी है।

संगम पर 200 करोड़ की लागत से रोपवे के निर्माण का रास्ता साफ

प्रयागराज। संगम पर रोपवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। जमीन भी फाइल कर ली गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को संबंधित विभागों के साथ बैठक कर निर्माण से संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया। संगम पर रोपवे का निर्माण महाकुंभ से पहले प्रस्तावित था लेकिन जमीन को लेकर पेच फंसा हुआ था। बृहस्पतिवार को पीडीए में कार्यदायी संस्था एनएचएलएमएल एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ हुई बैठक में योजना पर चर्चा की गई और रोपवे का निर्माण जल्द शुरू करने के लिए कार्यदायी संस्था को मंजूरी दी गई।

पीडीए के उपाध्यक्ष ने बताया कि योजना से जुड़े सभी बिंदुओं पर विचार–विमर्श कर लिया गया है। रोपवे संगम पर एक से दूसरे छोर तक बनाया जाएगा। इसके लिए तीन टावर और दो स्टेशनों का निर्माण कराया जाएगा। योजना शुरू करने में अब किसी तरह की रुकावट नहीं रह गई है। दिवाली से पहले काम शुरू होने की उम्मीद है। 200.35 करोड़ रुपये के प्रस्तावित लागत वाले रोपवे का निर्माण पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शहरियों को भी लंबे अर्से से इसके शुरू होने का इंतजार है। पीडीए के सचिव अजीत सिंह ने बताया कि मौके पर काम शुरू करने को लेकर कोई बाधा नहीं रह गई है।

पुलिस आयुक्त बताएं कि अश्लील वीडियो बनाने में इस्तेमाल मोबाइल की बरामदगी क्यों नहीं हुई: कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाने के आरोपों की विवेचना में झूंसी पुलिस की लापरवाही पर नाराजगी जताई है।

कोर्ट ने पुलिस आयुक्त प्रयागराज से व्यक्तिगत हलफनामा तलब किया है। पूछा है कि घटना में प्रयुक्त मोबाइल और वीडियो की अब तक बरामदगी क्यों नहीं है? इसके लिए पुलिस ने क्या कदम उठाए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की अदालत ने झूंसी निवासी याची की याचिका पर दिया है। मामला प्रयागराज के झूंसी थाना क्षेत्र का है।

याची पर उसके व्यावसायिक प्रतिष्ठान में कम करने वाली महिला ने एफआईआर दर्ज कराई। पीड़िता

का आरोप है कि पति संग उसके वैवाहिक मतभेद का लाभ उठा कर याची से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाया।

वीडियो उसके पति को भेजने के बाद डिलीट भी कर दिया। एफआईआर को रद्द करने की मांग के साथ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता नित्यानंद श्रीवास्तव ने दलील दी कि याची को मामले में झूठा फंसाया गया है।

उसके कब्जे से कोई ऐसा मोबाइल बरामद नहीं हुआ है जिससे कथित वीडियो बनाने व मिटाने का सबूत हो। वहीं, पीड़िता के अधिवक्ता सुनील चौधरी ने याचिका का विरोध किया। कोर्ट ने पाया कि विवेचक ने उस मोबाइल की बरामदगी का जिक्र विवेचना में नहीं किया और न ही उसे बरामद किया जिससे वीडियो बनाने का आरोप लगाया गया है।

लिहाजा, कोर्ट ने 20 नवंबर की तारीख नियत करते हुए पुलिस आयुक्त को व्यक्तिगत व पीड़िता की जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

एनसीआर मुख्यालय से होगी 21 रेलवे स्टेशनों की निगरानी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन के आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, ग्वालियर, झांसी, प्रयागराज समेत 21 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर हो रही गतिविधियों पर जीएम एनसीआर नरेश पाल सिंह की नजर रहेगी। इन स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का सीधा एक्सेस अब एनसीआर मुख्यालय में भी उपलब्ध है।

मुख्यालय में बृहस्पतिवार को इसका ट्रायल भी सफल रहा। महाप्रबंधक नरेश पाल ने यहां से कई स्टेशनों की लाइव फुटेज देखी। जंक्शन पर दोपहर एक बजे के आसपास लाइव फुटेज देखने के दौरान उन्होंने एक महिला यात्री को सेल्फी लेते देखा। उन्होंने कहा कि स्टेशन की साफ–सफाई ऐसी हो कि लोग इसे अपनी यादों में कैद करें। प्लेटफार्म–एक स्थित खानपान स्टॉल के बाद कूड़ेदान के नजदीक एक चिप्स का खाली पैकेट पड़ा होने पर उन्होंने मुख्यालय से ही सफाई का निर्देश दे दिया। इसके बाद मिनटों में ही सफाई हो गई। महाप्रबंधक ने बताया कि यह तकनीक न केवल त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करती है, बल्कि जवाबदेही भी बढ़ाती है। मुख्यालय से ही वह अब प्रमुख स्टेशनों की लाइव मॉनिटरिंग कर रहे हैं। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रयागराज, खजुराहो, झांसी, मथुरा समेत 21 प्रमुख स्टेशन के हर एक प्लेटफॉर्म, बिल्डिंग, सर्कुलेटिंग एरिया की एक–एक पल की निगरानी मुख्यालय से होगी। अभी प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, झांसी, आगरा, ग्वालियर, चित्रकूट, मथुरा, छिवकी, नैनी, बांदा, खजुराहो पहले ही वाच रूम से जुड़ चुके हैं। फतेहपुर, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद, टूंडला, हाथरस, फफूंद, गोविंदपुरी, मानिकपुर, मिर्जापुर, विंध्याचल, अलीगढ़ जैसे स्टेशनों को जोड़ने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वाच रूम में छह बड़ी स्क्रीन और कंप्यूटर सिस्टम के जरिए स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का सीधा एक्सेस उपलब्ध है।

NOTICE

I Gayatri Devi W/o Rajesh Kumar Kushwaha, R/o EWS Flat No. E.B.15 Sector B Naini Housing Scheme Prayagraj do hereby declare that the Sale deed dated 31.03.2009 in Bahi No. I Khand No. 1662 on Pages 125 to 134 Document No.1303 Registered in office of Sub Registrar Karchana Prayagraj and Freehold deed dated 31.03.2009 in Bahi No. I Khand No. 1662 on Pages 135 to 148 Document No.1304 Registered in office of Sub Registrar Karchana Prayagraj in the name of Smt Sushila Devi and Virendra Singh related to the property- Bhawan No. E.B.16 Type EWS situated Naini Housing Scheme Prayagraj has been lost. A FIR No. 20250000744046 dated 09.10.2025. at Police Station e-thana has been lodged for this missing Sale deed and free hold deed. I wish to create charge for availing home loan from State Bank of India RACPC Prayagraj (15488). If anyone has any claim towards the said relevant property, the same should be lodge with me/us and also with the above stated branch of State Bank of India within 15 days from publication of this notice.

Gayatri Devi
W/o Rajesh Kumar Kushwaha
R/o EWS Flat No. E.B.15 Sector B
Naini Housing Scheme, Prayagraj

काशी विद्यापीठ वाराणसी में हुआ दीक्षांत समारोह का आयोजन

प्रयागराज । महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के 47 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 8 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता श्रीमती आनंदीबेन पटेल माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, मुख्य अतिथि पद्मा श्री प्रोफ़ेसर सरोज चूड़ामणि गोपाल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली, अति विशिष्ट अतिथि श्री योगेंद्र उपाध्याय माननीय कैबिनेट मंत्री उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार, एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी माननीय राज्य मंत्री उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार ने किया। महोदया ने 101 मेधावियों को 103 स्वर्ण पदकों से नवाजा ,वहीं 178 मेधावियों समेत कुल 71243 छात्र–छात्राओं को उपाधि दी जिसमें डॉक्टर संध्या तिवारी जो कि पहले से ही नेट , जे आर एफ हैं , ने भी पी एच डी की उपाधि प्राप्त कर प्रयागराज का गौरव बढ़ाया।

संघर्ष समिति ने किसानों की समस्याओं को लेकर की पंचायत

मथुरा।–रूभारतीय किसान यूनियन टिकैत के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार गठित संघर्ष समिति ने गांव बरौली एवं आसपास के गांव की विभिन्न समस्याओं को लेकर के एक पंचायत का आयोजन प्रदेश प्रबक्ता कैम्प कार्यालय बरौली बल्देव मथुरा में किया। जिसमें बरौली की सम्मानित किसान सरदारी ने हिस्सा लिया। किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विचार करते हुए अवलंब निस्तारण करने की मांग की। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लिखित मांग पत्र के माध्यम से किसानों के बीच में पहुंचे तहसीलदार महावन को सोंपा गया। किसानों की समस्याएं इस प्रकार रही जिसमें बरौली में जल भराव की स्थिति, डीएपी

खाद की किल्लत, विद्युत आपूर्ति की जर्जर लाइनों का अबिल्म्ब बदलना आदि समस्या मांग पत्र में लिखित रूप से तहसीलदार महावन को सोपी गई जिसमें तहसीलदार महावन द्वारा अबिल्म्ब समस्याओं का निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह परिहार प्रदेश प्रवक्ता उत्तर प्रदेश व प्रभारी मध्य प्रदेश गिर्राज सिंह परिहार जगदीश परिहार ललित शर्मा जिला अध्यक्ष मथुरा मीरा सिंह जिला प्रवक्ता मलखान सिंह वरिष्ठ जिला महासचिव धीरी सिंह ब्लॉक अध्यक्ष बलदेव रणछोड़ सिंह लालाराम बच्चू सिंह मदन गोपाल इंद्रपाल काका राम अवतार सत्यवीर सिंह संघर्ष समिति अध्यक्ष नाहर भगत ,बच्चू मुखिया,राजवीर हवलदार, राधेशयम, रौतान सरपंच,इंद्रपाल, श्री निवास पंडित जी,सूरजमल राम खिलाड़ी, प्रेमसिंह,सहित किसान सरदारी मौजूद रही।

गरीबों के मसीहा संजय चौहान की जयंती पर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। गरीबों के मसीहा संजय चौहान की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। ग्राम नसीरपुर के प्रेरणा स्थल पर पूर्व सांसद स्व. संजय सिंह चौहान की जयंती पर हवन किया गया और श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों लोग, किसान, मजदूर और ग्रामीण भावुक होकर पहुंचे। संजय चौहान का

जीवन गरीबों, किसानों और आम जनता की सेवा को समर्पित था। वे साफ़–सुथरी राजनीति और जनता के मुद्दों के लिए जाने जाते थे। शिक्षा, रोजगार और गांव के विकास में उन्होंने अहम योगदान दिया। कार्यक्रम में उनके पुत्र और बिजनौर के सांसद चंदन सिंह चौहान ने कहा कि पिताजी ने सिखाया था कि नेता पहले इंसान होता है। जब मैं किसी गरीब की मदद करता हूँ ऐसा लगता है जैसे पिता मेरे साथ हैं। उनकी सीख ही मेरी पहचान है। श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने कहा कि ऐसे सच्चे और ईमानदार नेता फिर मिलना मुश्किल है।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन एवं समय में संशोधन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी संख्या 04831/04832 जोधपुर-पटना-जोधपुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04831 जोधपुर-पटना			गाड़ी सं. 04832 पटना-जोधपुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	16:30	जोधपुर ▲	01:00	—
02:00	02:05	ईदगाह	14:55	15:00
03:05	03:10	टूण्डला	12:50	12:55
04:05	04:07	इटावा	10:25	10:27
06:35	06:40	गोविन्दपुरी	08:10	08:15
09:30	09:35	प्रयागराज	04:45	04:50
11:10	11:12	मिर्जापुर	01:18	01:20
16:15	—	▼ पटना	—	17:45

- गाड़ी सं. 04831 जोधपुर से शनिवार दिनांक 11.10.2025 से 01.11.2025 तक
- गाड़ी सं. 04832 पटना से रविवार दिनांक 12.10.2025 से 02.11.2025 तक
- गाड़ी संरचना: स्लीपर क्लास-16, सामान्य क्लास-04

गाड़ी संख्या 09617/09618 दौराई-समस्तीपुर विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:- स्टेशन ईदगाह आगमन 03:15 - प्रस्थान 03:20 एवं टूण्डला आगमन 04:20- प्रस्थान 04:25 पर होगा।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1868/25(D)

मुलायम सिँह यादव का संघर्ष करोड़ों दिलों की प्रेरणाः हरेंद्र सिंह मलिक

सपा संस्थापक मुलायम सिँह यादव को पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

मुज़फ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने जानकारी देते हुए बताया कि सपा संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित की गई! पुण्यतिथि पर पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव व मुज़फ़्फ़र नगर लोकसभा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक ने कहा की नेताजी के नाम से विख्यात मुलायम सिंह यादव द्वारा दबे कुचले वँचित पिछड़ों, अल्पसंख्यको को उनके अधिकार तथा भागीदारी देने के लिए उनके संघर्ष को हमेशा याद किया जाएगा! आज भी उनका संघर्ष करोड़ों दिलों की प्रेरणा बना हुआ है, उनके संघर्ष को अपनाकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता आज भी संघर्ष से पीछे नहीं हटता!

समाजवादी पार्टी जिलाअध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा जिस विचार राजनीतिक हिस्सेदारी सबको सम्मान के विचार के साथ समाजवादी पार्टी का गठन किया गया था वह विचार संघर्ष आज भी समाजवादी पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता, समर्थको के लिए एक संघर्ष की तरह है!

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री राजकुमार यादव समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा प्रदेश सचिव नौशाद अली प्रदेश सचिव इलम सिंह गुर्जर ने अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया की भाजपा की सांप्रदायिकता से एकता भाईचारे को मजबूत करके उत्तर प्रदेश में फिर से

अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर नेताजी मुलायम सिंह यादव को सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी! समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष बॉबी त्यागी सपा नेता साजिद हसन, सोमपाल सिंह कोरी, महानगर अध्यक्ष सपा महिला सभा हिमानी सिंह ने सभी सपा कार्यकर्ताओ से सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के संघर्ष व विचारों से उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने की अपील की!

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष सतेन्द्र सैनी,पूर्व मंत्री महेश बंसल सपा जिला महासचिव चौधरी विकील गोल्डी अहलावत,सपा प्रदेश सचिव सुखपाल सिँह,पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सपा जसवीर वाल्मीकि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धनवीर कश्यप, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसीन मंसूरी जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिँह नीटू, शमशेर मलिक,सुरेश पाल प्रजापति, जिला मिडिया प्रभारी साजिद हसन, सपा नेता सेय्यद अली अब्बास काज़मी,सलीम मलिक समाजवादी अल्पसंख्यक सभा प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना नजर मोहम्मद, सपा अल्पसंख्यक सभा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार देवेंद्र सिँह खालसा समाजवादी युवजन सभा राष्ट्रीय सचिव सचिन पाल यूथ ब्रिगेड राष्ट्रीय सचिव फहीम अहमद, राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक सभा नवाब इम्तियाज़ कुरैशी, यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष राशिद मलिक,सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह एडवोकेट,पूर्व जिलाध्यक्ष युवजन सभा फिरोज अंसारी, पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा डॉ इसरार अल्वी, विधानसभा अध्यक्ष खातोली सत्यदेव शर्मा विधानसभा अध्यक्ष पुरकाजी संजीव आर्य, विधानसभा अध्यक्ष मिरापुर सादिक चौहान, विधानसभा अध्यक्ष सदर डॉ अविनाश कपिल, सपा नेता बालेन्द्र मौर्य,रमेश चंद शर्मा,सपा नेत्री दीप्ती पाल, अभिषेक गोयल एडवोकेट, जोगेंद्र सेनी, रिजवान अंसारी,चौधरी अजय कुमार, रजनीश यादव, सुरेश चंद पाल,अज़ीम जैदी, अली जामिन जैदी, गौरव त्यागी, कृष्ण पाल सिँह पाल, पवन पाल,बाल मुकुंद ग्रेड, प्रदीप डबॉस,सत्यवीर त्यागी, सेयद मौहम्मद मेहंदी, ऐश मौहम्मद मेवाती, सरदार प्रेम सिंह, सभासद शहजाद चीकू, सभासद हसीब राणा, सपा नेता इमलाक प्रधान, सपा नेता रामशरण कश्यप,सलमान त्यागी, अनुज कुमार गुर्जर,डॉ बीर सिंह, इमरान खान एडवोकेट सहित अनेक पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे!

एसडी गर्ल्स पीजी कालेज बुढाना में हुई प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने लिया बढ़–चढ़कर हिस्सा

हेयर स्टाइल प्रतियोगिता में होनहार छात्रा खुशी आई प्रथम

मुजफ्फरनगर। एसडी गर्ल्स पीजी कॉलेज बुढाना में भारतीय संस्कृति के धार्मिक सांस्कृतिक महत्व को दर्शाए जाने वाले प्रेम व समर्पण की भावना से ओतप्रोत पर्व करवा चौथ के महापर्व के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम हुआ। जिसमें मेहंदी, हेयर स्टाईल व स्पीच कम्पीटिशन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ कालेज के प्राचार्य डॉक्टर दिनेश चंद्र शर्मा व संचालन राकेश कुमार शर्मा ने किया। मेहंदी कम्पीटिशन के बीए, बी काम, बीएससी, होमसाइंस, ब्यूटिशियन, बीएससी साइंस, बीएफए, एमए अंग्रेजी, एमए समाज शास्त्र, एमएससी होमसाइंस व एम काम की सवा सो छात्राओं ने भाग लिया। जिसके अंतर्गत 8 ग्रुप बने। प्रथम ग्रुप में बीए तृतीय से सेमेस्टर की छात्रा रूही राठी ने प्रथम स्थान, बीएससी द्वितीय से सेमेस्टर की छात्रा गुड़िया ने द्वितीय स्थान, बीएससी होम साइंस की छात्रा दिव्यांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सेकेण्ड ग्रुप में बीएफए थर्ड सेमेस्टर की छात्रा सानिया ने प्रथम स्थान, बीएससी होम साइंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुमायला ने द्वितीय स्थान, बीए थर्ड सेमेस्टर की छात्रा निशि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय ग्रुप में बीएससी होमसाइंस की छात्रा मुस्कान ने प्रथम स्थान, बीएससी साइंस प्रथम की छात्रा उतबा ने दूसरा स्थान, बीए द्वितीय की छात्रा प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त कर सबकी वाहवाही लूटी। हेयर स्टाइल कम्पीटिशन के अन्तर्गत 2 प्रकार के ग्रुप बने। प्रथम ग्रुप में बीएससी साइंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अलीना ने कर्ले स्टाईल से बांसों की सज्जा करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा चांदनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा शिवानी पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय हेयर स्टाइल ग्रुप में बीएससी साइंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीएससी तृतीय सेमेस्टर की

छात्रा नरगिश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्पीच प्रतियोगिता में एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अजीज फातिमा ने प्रथम स्थान व एमए होम साईंस प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अर्चना सहरावत ने द्वितीय स्थान पाया। विजई छात्राओं को कालेज प्राचार्य डाक्टर दिनेश चंद्र शर्मा ने सर्टिफिकेट, ट्रोफी व बैज लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में होम साइंस विभाग की प्रवक्ता अर्चना राणा, सबा प्रवीण, अंग्रेजी विभाग की रुपाक्षी, समाज शास्त्र विभाग की अनीता चौधरी, साइंस विभाग की किरण, बीएफए विभाग की स्वाती शर्मा ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में कालेज की प्रवक्ता दिव्याश्री, प्रवीण, सविता, चंद्रशेखर शर्मा व आफिस में कार्यरत सचिन कौशिक का भी अच्छा योगदान रहा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 की रिपोर्ट : छात्र मानसिक स्वास्थ्य सेवा के प्रति हो जागरूक

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग ने छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता के लिए नारे लगाते हुए छात्रों के साथ कॉलेज में एक रैली निकालकर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। कॉलेज के चेयरपर्सन चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने फीता काटकर रैली की औपचारिक शुरुआत की और छात्रों से अपने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के प्रति जागरूक रहने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कॉलेज में सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग द्वारा परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं और छात्रों को अपनी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए इन सेवाओं का उपयोग करना चाहिए। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने छात्रों को रैली आयोजित करने और मानसिक स्वास्थ्य विषय पर नारे और पोस्टर बनाने के प्रयासों के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की आयोजक और सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल–बीइंग की सह–संयोजक डॉ. रुचिका वर्मा ने कार्यक्रम की पूरी थीम की संकल्पना की और ध्यंधेरे में आशाष विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग की संयोजक प्रोफेसर अमिता पांडे और सदस्य डॉ. प्रिया खरे, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. रंजना तिवारी और डॉ. शानू तिवारी उपस्थित थे। मनोविज्ञान विभाग के संयोजक डॉ. महेश कुमार मौर्य भी मौजूद रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार दिनेश पाठक, द्वितीय पुरस्कार प्रिया मोदनवाल एवं तृतीय पुरस्कार दीक्षा राठौर को दिया गया।

पेओनी के फूल

(कुण्डलिया)

उद्यानों की शान हैं, पेओनी के फूल।
खिलते हैं जो गुच्छ में, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल, प्रजातियाँ इनकी सारी।
बनीं कली से फूल, लगीं तब सबको न्यारी।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी के मुस्कानों की।
रखता है यह ध्यान, प्रात बन उद्यानों की।।

नाना रंगों में रँगा, पेओनी–इतिहास।
मूल निवासी चीन का, जग में भरे सुवास।
जग में भरे सुवास, सभी को अपना कहके।
धन–दौलत सौन्दर्य, बिखेरे हरदम हँस के।
सुन लो कहें प्रदीप, न बुनता ताना–बाना।
सबको कर सन्तुष्ट, रंग बिखराता नाना।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

नेता जी के संघर्ष पर हम सब को गर्व: रविद्र प्रधान जोगी

थानाभवन (शामली)। रशीदगढ सपा नेता वतन सिंह सैनी द्वारा समाजवादी पार्टी के संस्थापक/पूर्व मुख्यमंत्री स्व.मुलायम सिंह यादव की तृतीय पुण्यतिथि पर एक विचार गोष्ठी का

आयोजन कर श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम किया,जिसकी अध्यक्षता लक्ष्मी चंद कश्यप (पूर्व प्रधान)ने की,संचालन इकराम राव (पूर्व जिलाध्यक्ष मजदूर सभा सपा शामली) ने किया ,स्व.मुलायम सिंह यादव की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सपा नेता वतन सिंह सैनी ने कहा कि नेता जी ने हमेशा हर वर्ग को सम्मान देने का काम किया था, जिसका अति पिछड़ा वर्ग/दलित वर्ग को राजनीतिक स्तर एक नई पहचान दिलाई है ,नेता जी के पद चिन्ह पर चलकर पी.डी.ए. के हितों का कार्य कर रहे है ,2027 मे थानाभवन विधानसभा की जनता पी.डी.ए.प्रत्याशी को जिताकर नेता जी को नमन करेगी, श्रद्धांजलि सभा मे अतिथि रविंद्र प्रधान जोगी (प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ)ने नेता जी के संघर्ष भरे जीवन को अनमोल बताया जिस पर सर्व समाज और हम सब को गर्व है,गोष्ठी मे राजेश कश्यप ,प्रीतम कश्यप ,पवन सिंह सैनी ,रजनीश सैनी, अनुज सैनी,मो. हम्माद,रिजवान रज़ा, पप्पू प्रधान, राजेश सैनी, मोनू सैनी, अरुण कुमार, अमरपाल जाटव, रमेश गोतम, जसवंत, धीरज आदि!!

सबकी समस्याएं होंगी दूर, सरकार है आपके साथ, गोरखपुर में सीएम योगी ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

लखनऊ/गोरखपुर। सीएम योगी आदित्य नाथ ने शुक्रवार को फरियादियों की समस्याएं सुनी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्हें भरोसा दिलाया की सरकार आपके साथ है, सबकी समस्यायों का निराकरण होगा। इसके लिए अफसरों को निर्देश दिए की प्राथमिकता के आधार पर सभी की दिक्कतें दूर की जाएं।

लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं की जाएगी। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में एक –एक फरियादियों के पास पहुंचे सीएम ने उनके प्रार्थना पत्र लेकर समस्याएं पूछी। सबको निराकरण का भरोसा दिलाया। ज़मीन से जुड़े मामलों में माफिया पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। आपसी विवादों में दोनों पक्षो के साथ बातकर आपसी हल निकालने के निर्देश दिए। अफसरों को सीएम ने निर्देश दिए कि पीड़ितों की समस्यायों के निस्तारण में किसी प्रकार की कोताही न की जाए. इसमें लापरवाही पाए जाने पर जो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय.....

हादसों की सड़क

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर–जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुरूख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

अंधविश्वास की बेड़ियाँ: अशिक्षा जनित सामाजिक जड़ता और विकास मे बाधा

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के इस वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और डिजिटल युग में भी शिक्षित जनमानस अंधविश्वास और रूढ़िवादिता की जंजीरों से मुक्त नहीं हो पाया है। विज्ञान की ऊँचाइयों को छूने वाला मनुष्य जब वास्तु–दोष, ग्रह–शांति, राहु–केतु और कालसर्प योग जैसी अवधारणाओं के मोहपाश में जकड़ा दिखाई देता है, तो यह न केवल समाज की मानसिक परतों का दर्पण बन जाता है, बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर देता है। आज मकानों में तथाकथित वास्तु–दोष को दूर करने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, जबकि यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निरर्थक है। यह उस अंधविश्वास का जीवंत उदाहरण है जो हमारी तार्किक चेतना पर हावी हो चुका है। आँकड़े बताते हैं कि ऐसे मिथ्या विश्वासों के जाल में फँसे लगभग 90: शिक्षित युवा वर्ग अपनी विवेकशक्ति को पीछे छोड़ चुका है। अशिक्षा और अज्ञानता ने न केवल अंधविश्वास को जन्म दिया है, बल्कि धार्मिक कट्टरता और सामाजिक संकीर्णता को भी गहराई तक फैला दिया है। जब अत्यंत शिक्षित लोग भी तर्क से अधिक परंपराओं और भ्रमों को महत्व देने लगते हैं, तो यह समाज और राष्ट्र दोनों के लिए अत्यंत चिंताजनक संकेत है। वास्तव में, शिक्षा वह दीप है जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विवेक की ज्योति प्रज्वलित करता है। यही शिक्षा मनुष्य को वैज्ञानिक आधार पर सोचने, प्रमाणों के सहारे सत्य को स्वीकार करने की शक्ति देती है। कभी मानव जाति यह मानती थी कि पृथ्वी चपटी है, किंतु विज्ञान ने अपने प्रयोगों से यह सिद्ध कर दिया कि पृथ्वी गोलाकार है कृ और मानव ने इसे तर्क और प्रमाण के बल पर स्वीकार भी किया। यही शिक्षा का प्रभाव है। शहीद भगत सिंह ने जब "नौजवान भारत सभा" की स्थापना की थी, तब अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट लिखा था कृ "धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के सबसे बड़े शत्रु हैंय उनसे मुक्त हुए बिना हम स्वतंत्र और आधुनिक नहीं बन सकते।" यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। देश की युवा शक्ति यदि अपनी ऊर्जा अंधविश्वास के उन्मूलन में लगाए, तो सामाजिक क्रांति का नया अध्याय लिखा जा सकता है। शिक्षा और विज्ञान ही वे दो पंख हैं जिनसे मानव सभ्यता ने चाँद तक की उड़ान भरी और पूरी दुनिया को सूचना–प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक परिवार की तरह जोड़ दिया। ऐसे में "बिल्ली रास्ता काट जाए तो काम रुक जाता है", "छींकना अपशकुन है", या "कौवा बोले तो मेहमान आएंगे" कृ जैसी मान्यताएँ हमारे सामाजिक विवेक का उपहास मात्र हैं। अंधविश्वास के सबसे घिनौने रूपों में से एक है तंत्र–मंत्र के नाम पर पशु या बाल–बलि देना। यह कृत्य न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज में भय और अज्ञान को स्थायी रूप से स्थापित करता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे "धोखेबाज तांत्रिक" इन भयभीत और अंधविश्वासी लोगों को भूत–प्रेत, ग्रहदोष या कालसर्प के नाम पर ठगते हैं कृ और यह व्यवसाय अब गाँवों से निकलकर शहरों के बड़े मीडिया मंचों तक पहुँच गया है। यह विडंबना है कि टीवी चौनलों और अखबारों में ऐसे अंधविश्वासी विज्ञापन खुलेआम प्रकाशित होते हैं, जो तर्कशीलता के बजाय अंधश्रद्धा को बढ़ावा देते हैं। सच तो यह है कि अंधविश्वास किसी विशेष वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहाय यह विकसित देशों तक भी किसी न किसी रूप में विद्यमान है, परंतु भारत में इसकी जड़ें अशिक्षा के कारण अधिक गहरी हैं। इसलिए, हमें प्राथमिक स्तर से ही ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना होगा जो बच्चों में तर्कसंगतता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रश्न करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करे। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भी अंधविश्वास–विरोधी जनचेतना अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है।

परीक्षा में ऊंच-नीच पर न्याय का अधिकार

डॉ. दीपक पाचपोर

परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी लगे तो पहले ये कदम उठाएं। अगर छात्रों या विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं देने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी का अहसास हो।

भारत में छात्र और किसी परीक्षा को देने वाले परीक्षार्थी अपनी पढ़ाई और परीक्षा के संबंध में कई तरह के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के मालिक होते हैं। लेकिन ज्यादातर को इस सबके बारे में पता नहीं होता। तो जानना उपयोगी है कि छात्रों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के विधिक और संवैधानिक अधिकार क्या–क्या होते हैं और उन्हें कैसे नीतिगत सुरक्षा में बांटा जा सकता है। परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी लगे तो पहले ये कदम उठाएं। अगर छात्रों या विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं देने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी का अहसास हो। जैसे उन्हें लगे कि पेपर लीक हो गया है या जो परिणाम आया है, वो गलत है या किसी भी तरह की परीक्षा में पारदर्शिता की कमी है, तो वे शिकायत करने और अपनी शिकायत के संबंध में न्याय पाने के लिए ये कदम उठा सकते हैं। सबसे पहले वे परीक्षा की आयोजक संस्था, चाहे वह यूपीएससी हो, एसएससी हो, एनटीए हो या पीएससी हो, आधिकारिक शिकायत प्रणाली यानी पोर्टल आदि पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। अगर उन्हें इसका पता नहीं है तो परीक्षा भवन में स्थित प्रबंधक के कार्यालय से इसकी जानकारी हासिल कर सकते हैं। परीक्षा में गड़बड़ी लगे तो दूसरे कदम के रूप में परीक्षार्थी अपने ओएमआरसी या आंसर शीट अथवा मार्किंग विवरण मांगने के लिए आरटीआई आवेदन कर सकते हैं। जबकि तीसरे चरण के रूप में ये छात्र अगर इन्हें लगता है कि पहले दो कदमों से उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो वे हाईकोर्ट में पिटीशन अनुच्छेद 226 के तहत या सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में केस दायर कर सकते हैं, इसका उन्हें कानूनी हक है और चौथे व अंतिम कदम के रूप में पेपर लीक आदि के लिए सीबीआई,ईडी जांच की मांग की जा सकती है। ऐसी स्थिति में पहले कदम के रूप में उस संस्थान की जहां से आपका संबंध हो, ग्रीवांस रिड्रेसल सेल्फ,यूजीसी कम्पलेंट पोर्टल पर शिकायत करें। दूसरे कदम के रूप में राज्य शिक्षा विभाग या विश्वविद्यालय में इसकी लिखित शिकायत करें। तीसरे कदम के रूप में अगर छात्र पर मानसिक उत्पीड़नधर्हिंसाभ्भेदभाव हुआ है तो आईपीसी और एससीध्एसटी एट्रोसीटीज एक्ट जैसे कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज करायी जा सकती है। चौथे कदम के रूप में फीस और सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के लिए कंज्यूमर कोर्ट में दस्तक दी जा सकती है। अगर दिव्यांग छात्रों को जरूरी सहूलियत न मिलें इसके लिए पहले कदम के रूप में परीक्षा

प्राधिकरणध्संस्थान से लिखित शिकायत करें कि आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 का पालन नहीं हो रहा। दूसरे कदम के रूप में जिला स्तर पर चीफ कमिशनर फॉर पर्संस विद डिसएबिलिटी को शिकायत भेजें और तीसरे कदम के रूप में जरूरत पड़ने पर हाईकोर्ट में रिट डालकर अतिरिक्त समय स्क्राइब या अन्य सहूलियत की मांग करें। ऐसी स्थिति में पहले कदम के रूप में छात्र या उसके परिजन मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन पर संपर्क करें, जो कि 1800–599–7019–किरण हेल्पलाइन है। दूसरे कदम के रूप में मेंटल हेल्थ केयर अधिनियम 2017 के तहत हर छात्र को मुफ्त काउंसलिंग और इलाज का अधिकार है। अगर संस्थान दबाव बना रहा हो, जैसे असंभव टारगेट, भेदभाव, तो पुलिस या शिक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। ऐसे में पहले कदम के रूप में आधिकारिक उत्तर कुंजी और कटऑफ की कॉपी आरटीआई के जरिये प्राप्त करें। दूसरे कदम के रूप में आवश्यक आंसर शीट का रिवैल्यूएशन मांगें और तीसरे कदम के रूप में स्टे ऑर्डर या रि–एंग्जाम की मांग की जा सकती है। विशेषकर प्रतियोगी परीक्षा भर्ती विवादों के लिए आरटीआई पोर्टलरू तजपवदसपदम.हवअ.पद, यूजीसी ग्रीवांस: ugc.ac.in/grievance/ सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में शिकायत कर सकते हैं। भेदभाव या उत्पीड़न के मामले में नेशनल कमीशन फॉर शिड्यूल कास्ट्स ट्राइबध्माइनरटीजध्घुमन्स, भारत में हर छात्र को समान अवसर देना संस्थान की जिम्मेदारी है। चौदह साल तक की उम्र के हर व्यक्ति को मुफ्त शिक्षा का अधिकार है। परीक्षा भर्ती और कॉलेज प्रशासन आदि से जुड़ी सूचनाएं पाने का सबको अधिकार है। भारत में हर छात्र और प्रतियोगी परीक्षार्थी को निष्पक्ष परीक्षा का अधिकार है, उसे समान अवसर व आरक्षण के लाभ का अधिकार है। बता दें कि इस जानकारी को कानूनी मदद, स्रोत के तौरपर नहीं इस्तेमाल किया जा सकता। सिर्फ पाठकों में अपने अधिकारों के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए इसका उपयोग संभव है।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

उमेश चतुर्वेदी

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है। कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू–राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी–नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी। उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम–यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित–दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चुकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है। बीजेपी इस बार चाहती है कि वह राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहे। बड़े भाई की भूमिका में आने के बाद ही वह राज्य की सर्वोच्च पार्टी बन सकती है। 1967 में समाजवादियों के साथ उसने जहां भी सरकार बनाई, उन राज्यों में बाद के दिनों में वह ना सिर्फ नंबर एक बन गई,बल्कि साथी समाजवादी दूर कहीं पीछे छूटते नजर आए। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, हरियाणा और कर्नाटक इसके उदाहरण हैं। लेकिन बिहार में अब भी वह खुद के दम पर अपना वजूद स्थापित करने से दूर है। इस बार बीजेपी चाहेगी कि राज्यमें उसकी अगुआई में सरकार बने। इसके लिए उसने अपने दो बड़े कद्दावर रणनीतिकारों धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े को मैदान में उतार दिया है। दोनों ने बिहार में अपने ढंग से ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मैथिली की लोक गायिका मैथिली ठाकुर को बीजेपी एक तरह से अपना उम्मीदवार घोषिकर ही चुकी है। सत्ता पर काबिज होने और राज्य की नंबर एक सियासी पार्टी बनने के लिए मोदी–शाह के युग में पार्टी ने नई रणनीति अख्तियार की है। वह लोकप्रिय चेहरों को अपने साथ जोडने में देर नहीं लगाती। वैचारिक रूप से विरोधी रहे लोगों को भी अपने पाले में लाने में उसे गुरेज नहीं रहा। बशर्ते कि उनके आने से पार्टी को दूरगामी राजनीतिक फायदा मिलता दिख रहा हो। मैथिली ठाकुर का अतीत ऐसा नहीं है। मिथिला के लोक रंग में पली मैथिली एक तरह से भारतीय जनता पार्टी की पारंपरिक हिंदुत्व की राजनीति की नजदीकी ही लगती हैं। चुनाव के दौरान बीजेपी ऐसे कई और चेहरों पर दांव लगा सकती है। बीजेपी को उम्मीद अपने मजबूत रणनीतिक वोट बैंक पर है। अति पिछड़ों और सवर्ण तबके में उसकी पकड़ अच्छी है। कभी पिछड़ावादी राजनीति जिस समुदाय को भूराबाल यानी भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला यानी कायस्थ कहकर हिकारत का भाव दिखाती थी, उसे यह वर्ग भूला नहीं है। हालांकि हाल के दिनों में बीजेपी की ओर से पिछड़ावादी राजनीति को बढ़ावा देने और उसी समुदाय से नेतृत्व उभारने के चलते सवर्ण तबके का एक वर्ग नीतीश–बीजेपी जोड़ी से नाखुश भी है। लेकिन यह भी तय है कि जैसे इस वर्ग को लगेगा कि राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाला गठबंधन जीत रहा है, एकजुट होकर बीजेपी–नीतीश गठबंधन को टूटकर वोट डालेगा। मुसहर और अति दलित जातियां बीजेपी के साथ नजर आ रही हैं। बिहार की राजनीति में कोईरी–कुर्मी की जोड़ी को लवकुश कहा जाता रहा है।

कुछ पता तो करो चुनाव है क्या

प्रेम शर्मा

सियासत की जिस चालाकी को राहत इंदौरी साहब ने बहुत पहले भांप लिया था, वह अब भी कायम है, बल्कि पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब सरहदों पर ही नहीं, देश के भीतर भी चुनाव आते ही तनाव बनाए जाने की शुरुआत हो जाती है। कुछ वक्त पहले बरेली में आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर ऐसा बवाल खड़ा हो गया कि जुमे की नमाज का वक्त तनावपूर्ण हो गया। अपने आराध्य से प्रेम का इजहार कोई नयी बात नहीं है। गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डारे केस। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस, से लेकर मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई, जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई, जैसे भक्तिपद इस देश में सदियों से लिखे जाते रहे और इन पर कभी किसी ने कोई आपत्ति नहीं की। न ही कभी दूसरे की भक्ति का मखौल बनाने के लिए अपने आराध्य से मोहब्बत दिखाई गई। लेकिन अब आई लव मोहम्मद को जवाब देने के लिए आई लव विष्णु, आई लव राम, यहां तक कि आई लव योगी और आई लव बुलडोजर तक के पोस्टर बन गए। हालांकि ऐसा करने वाले लोग इस बात को समझ नहीं पाए कि नफरत दिखाने के लिए भी उन्हें मोहब्बत का ही सहारा लेना पड़ा। बहरहाल, नफरत बनाम मोहब्बत के इस सियासी खेल में भावनाओं की नहीं सत्ता साधने की चालाकी नजर आ रही है। पाठक जानते हैं कि कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने बजरंग दल पर प्रतिबंध को बजरंग बली के अपमान से जोड़ा था और मतदाताओं से अपील की थी कि बजरंग बली के नाम पर ही वोट दें। हालांकि उनकी ये अपील कर्नाटक के लोगों ने नहीं सुनी। अन्य राज्यों में भी श्री मोदी ऐसे ही भड़काऊ अपीलें कर चुके हैं। कपड़ों से पहचानना और श्मशान–कब्रिस्तान इस देश के लोगों को याद है। पिछले झारखंड चुनावों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों के कब्जे वाला एक वीडियो भाजपा ने जारी किया था, जिसमें शिकायत के बाद रोक लगी थी। अब ऐसे ही सांप्रदायिक नफरत वाला वीडियो असम में प्रसारित हो रहा है, जहां अगले साल चुनाव है। वैसे कुछ दिनों में बिहार चुनाव भी है, जहां भाजपा हिंदुत्व का कार्ड चालाकी से खेल रही है, लेकिन विपक्ष में बैठे महागठबंधन और खासकर लालू प्रसाद की आरजेडी के सामने उसे सांप्रदायिक खेल खेलने के लिए खुला मैदान नहीं मिल रहा है। मगर असम में भाजपा ने ये खेल अभी से शुरु कर दिया है। एक वीडियो अभी वहां सोशल मीडिया पर काफी चला, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसमें असम पर मुस्लिम लोगों द्वारा कब्जा किए जाने का एक मनगढ़ंत और अपमानजनक परिदृश्य दिखाया गया है और इसे उस कथित भविष्य से जोड़ा गया है जो भाजपा के आगामी चुनाव हारने पर घटित हो सकता है। इस वीडियो को हटाने के लिए कु र्बान अली और वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने भाजपा की असम इकाई से इस पर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि भाजपा असम इकाई ने 15 सितंबर 2025 को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो प्रसारित किया, जिसमें यह भ्रामक और झूठा नैरेटिव दिखाया गया कि यदि भाजपा सत्ता में नहीं रही तो मुसलमान असम पर कब्जा कर लेंगे। याचिकाकर्ताओं ने अदालत में कहा कि, आगामी चुनावों के सिलसिले में एक वीडियो पोस्ट किया गया हैश इसमें दिखाया गया है कि अगर एक खास राजनीतिक दल सत्ता में नहीं आता है, तो एक खास समुदाय सत्ता संभालेगाश इसमें टोपी और दाढ़ी वाले लोग दिखाई दे रहे हैंश (अदालत के निर्देशों के अनुसार) स्वतरू संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की जानी चाहिएश अगर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो अवमानना की कार्रवाई की जानी चाहिए। याचिका में तर्क दिया गया कि राज्य सरकार सभी समुदायों की संरक्षक होती है और संविधान उसे धर्म, जाति, भाषा, लिंग या नस्ल के आधार पर भेदभाव करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है, इस प्रकार एक निर्वाचित सरकार पर निष्पक्ष, न्यायसंगत और धर्मनिरपेक्ष बने रहने का दायित्व और भी अधिक होता है। इस वीडियो को तुरंत हटाया जाना आवश्यक है ताकि सांप्रदायिक वैमनस्य, अशांति और नफरत के और प्रसार को रोका जा सके। अब इस पर अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। इस सुनवाई का नतीजा चाहे जो निकले, लेकिन भाजपा तो अभी से समाज को यह फैसला सुनाने का माहौल बना रही है कि मुसलमान इस देश के नहीं हैं और भाजपा सत्ता में रहेगी, तभी उन्हें कब्जा करने से रोका जा सकेगा। हालांकि ऐसे मूर्खतापूर्ण वीडियो बनाने वालों से पूछा जा सकता है कि पहले इक्का–दुक्का राज्यों में भाजपा की सत्ता होती थी, और केंद्र में भी 96 के बाद से वह काबिज हुई है, तो उस दौरान कांग्रेस या अन्य दलों की सरकारें जब होती थीं, तब किस जगह पर मुसलमानों ने कब्जा किया या ऐसी नीयत दिखाई। दरअसल न हिंदू, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई कभी भी किसी धर्म के लोगों ने किसी इलाके पर कब्जे की नीयत दिखाई है, क्योंकि आम भारतीय नागरिक संविधान को मानते हुए चुनाव में भागीदारी करता है और अपनी चुनी हुई सरकार बनाता है।

अनीत पड्डा से कावेरी कपूर तक, बालीवुड की नई पीढ़ी के सितारे जो इंडस्ट्री का चेहरा बदलने को हैं तैयार

बॉलीवुड में एक नई लहर चल रही है और यह अपने साथ कई नई प्रतिभाओं को लेकर आ रही है, ऐसे युवा चेहरे जो बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। चाहे ये स्टार किड्स हों या खुद के दम पर आगे बढ़ने वाले नए चेहरे, इन उभरते सितारों में है अलग पहचान, स्टाइल और शानदार प्रतिभा। कुछ पहले से सुर्खियों में हैं, तो कुछ अपने ग्रैंड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। आइए, नजर डालते हैं बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उन चेहरों पर, जो आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय कर सकते हैं। अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पड्डा ने 'सैय्यारा' से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ एक स्टार किड नहीं हैं–वह एक बहुमुखी कलाकार हैं। एक गायिका, गीतकार और अब अभिनेत्री के रूप में, कावेरी ने 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से शानदार डेब्यू किया। उनकी उपस्थिति पर्दे पर एक ताजगी और कलात्मक गहराई लाती है। उनके पास कई प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें मासूम 2 और एक सिंगल शामिल है जो जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है। रवीना टंडन की बेटी राशा अपनी खूबसूरत पर्सनालिटी और आकर्षक लुक्स के लिए सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अपने डेब्यू के साथ, वह सिनेमा में अपनी राह खुद बनाने की तैयारी में हैं और प्रशंसकों व फिल्म निर्माताओं दोनों की उन पर कड़ी नजर है। तड़प से धमाकेदार शुरुआत के बाद, सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने साबित कर दिया कि उनमें अपनी जगह बनाने का हुनर घ्है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और शारीरिक बनावट के साथ, उन्हें एक्शन–रोमांस के क्षेत्र में एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। शनाया पहले से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और उन्होंने आँखों की गुस्ताखियाँ से पावरहाउस विक्रांत मैसी के साथ धमाकेदार शुरुआत की है। अपने अभिनय के लिए शानदार समीक्षाएं मिलने के बाद, वह अब आनंद एल राय की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी।अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे ने 'सैय्यारा' में कृष कपूर के किरदार से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे आशाजनक नए अभिनेताओं की सूची में शामिल कर दिया है। वीर पहाड़िया ने अपनी पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से हटकर एक अलग रास्ता अपनाया और स्काई फोर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। एक रहस्यमयी आभा और कहानी कहने में गहरी रुचि के साथ, वह देखने लायक सबसे दिलचस्प नामों में से एक हैं। स्टार परिवारों से लेकर अपने दम पर पहचान बनाने वाले कलाकारों तक कृ ये सभी युवा अभिनेता बॉलीवुड के बदलते चेहरे का प्रतीक हैं। साहसी, विविधतापूर्ण और बेबाक महत्वाकांक्षी, ये नई पीढ़ी के अभिनेता अपने साथ प्रतिभा, प्रयोग और वैश्विक अपील का एक ताजा मिश्रण लेकर आ रहे हैं। जैसे–जैसे इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, एक बात तय है कृ बॉलीवुड का भविष्य बेहद उज्ज्वल है, और ये नाम उसकी राह रोशन कर रहे हैं।

> अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पड्डा ने 'सैय्यारा' से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ एक स्टार किड नहीं हैं-वह एक बहुमुखी कलाकार हैं।

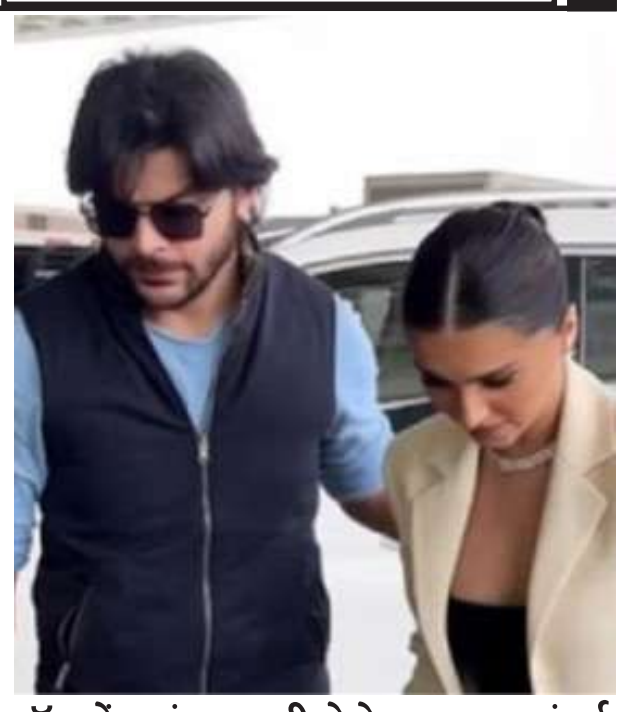

बॉयफ्रेंड संग इटली वेकेशन मना मुंबई लौटीं तारा सुतारिया, एयरपोर्ट पर दिखी कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा तारा सुतारिया हाल ही में बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया के साथ इटली में छुट्टियां मनाकर मुंबई लौटी हैं। 9 अक्टूबर, गुरुवार की सुबह दोनों को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में तारा और वीर मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी और कैमरे के सामने भी दोनों काफी सहज दिखे। जैसे ही कार एयरपोर्ट पर रुकी, वीर पहाड़िया ने बड़ी विनम्रता से तारा के लिए कार का दरवाजा खोला। तारा मुस्कुराते हुए बाहर निकलीं, जबकि वीर उनके बिल्कुल पास ही रहे। फोटोग्राफर्स और फैंस की भीड़ के बीच वीर पहाड़िया तारा को प्रोटेक्ट करते नजर आए। उन्होंने तारा की पीठ पर हल्के से हाथ रखा और उन्हें भीड़ के बीच सुरक्षित एयरपोर्ट एंट्रेंस तक पहुंचाया। इस दौरान तारा सुतारिया ने मीडिया को मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर बाय कहा। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तारा और वीर की जोड़ी चर्चा में है। फैंस कमेंट सेक्शन में वीर की तारीफ करते नहीं थक रहे। किसी ने लिखा, "वीर बहुत जेंटलमैन हैं", तो किसी ने कहा, "तारा के लिए इतना केयरिंग देखकर दिल खुश हो गया।" कई यूजर्स ने दोनों को "पिक्चर परफेक्ट कपल" बताया। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के रिश्ते की खबरें काफी समय से सुर्खियों में हैं। दोनों को कई बार साथ में डिनर डेट्स और इवेंट्स में देखा गया है। हालांकि, अब तक दोनों ने अपने रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

शादी से पहले ही सोनाक्षी-जहीर ने खरीद लिया था सपनों का आशियाना, 9 महीने में पूरा हुआ काम, अब जल्द ही नए घर में होंगे शिफ्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को खुलकर एंजॉय कर रहे हैं। शादी के बाद से यह कपल अक्सर ट्रैवलिंग और वेकेशन फोटोज को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। अब एक्ट्रेस ने अपने यूट्यूब चौनल पर एक नया मेकअप ट्यूटोरियल व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होंने फैंस को नए घर के बारे में बताया। वीडियो में सोनाक्षी ने खुलासा किया कि वह और जहीर जल्द ही अपने नए घर में रहने जाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि घर का रेनोवेशन वर्क लगभग पूरा हो चुका है और बस कुछ फाइनल टच बाकी हैं। एक्ट्रेस ने कहा, "हमारा घर पिछले नौ महीनों से रेनोवेट हो रहा है और अब वह लगभग तैयार है। जल्द ही हम यहां शिफ्ट हो जाएंगे। सोनाक्षी ने खुलासा किया कि उन्होंने और जहीर ने यह घर शादी से पहले ही खरीद लिया था। उनके मुताबिक, "हम दोनों ने काफी पहले यह प्रॉपर्टी ली थी लेकिन शादी के बाद इसे अपना सपनों का घर बनाने की प्लानिंग शुरू की।वहीं जहीर ने बताया, "हमने शादी से काफी पहले ही प्रॉपर्टी खरीदी थी और फिर कहा था कि शादी के बाद ही इसमें काम शुरू करेंगे। अब आखिरकार वो वक्त आ गया है।व्लॉग में सोनाक्षी ने बताया कि पिछले नौ महीनों से इंटीरियर डिजाइनर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स इस घर को सजाने में लगे हुए हैं। कपल ने वीडियो में अपने किचन, लिविंग रूम और शीशों वाले एरिया की झलकियां भी दिखाईं। उन्होंने कहा, "हमें इस प्रोजेक्ट में बहुत समय और मेहनत लगी, लेकिन अब नतीजा देखकर दिल खुश है। जहीर ने बताया कि शादी के लगभग 10 दिन पहले उन्होंने घर की पूजा करवाई थी। पूजा के बाद उन्हें पायल नाम की इंटीरियर डिजाइनर मिलीं, जिन्होंने इसी बिल्डिंग में छह और फ्लैट्स को रेनोवेट किया था। इसके बाद उन्हें एक बेहतरीन कॉन्ट्रैक्टर मिला जिसने नौ महीने में फ्लैट का काम पूरा किया। जहीर ने मुस्कुराते हुए बताया कि उनका ड्रीम हाउस कैसा होना चाहिए कृ "मैं चाहता था कि हमारे घर का वॉशबेसिन ऐसा हो जिसमें पानी हमेशा बीच में गिरे और उसे बंद करने के लिए बार–बार छूना न पड़े। साथ ही मैं चाहता था कि घर का हर फर्नीचर इतना मजबूत हो कि अगर कोई उस पर नाचना चाहे तो नाच सके। इस पर सोनाक्षी हंस पड़ीं और बोलीं, "मेरा सपना एक साफ–सुथरा, सफेद और क्लासी घर था– जहां शांति हो और पॉजिटिविटी भरी हो।

राम चरण स्टारर पेड्डी के ब्लॉकबस्टर सॉन्ग की आज पुणे में होगी शूटिंग

ग्लोबल सुपरस्टार राम चरण, जिन्होंने अपने पिछली फिल्मों से तहलका मचा दिया था, अब अपनी बेहद इंतेजार की जाने वाली अगली फिल्म पेड्डी के साथ बड़े पर्दे पर

एल्विश यादव की संत प्रेमानंद जी से मुलाकात बनी यादगार, अब हर दिन करूंगा 'राधा' नाम का जाप

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव ने हाल ही में वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एल्विश यादव गुरुजी से उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्रेमानंद जी ने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उनकी दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं, लेकिन भगवान की कृपा से वे भक्तों से मिलकर उनसे बात कर पा रहे हैं। प्रेमानंद जी ने कहा, अब कुछ भी ठीक करने की जरूरत नहीं है, आज हो या कल, हम सभी को जाना है। उनके इस बयान से जहां भक्त भावुक हुए, वहीं उनकी सादगी और आध्यात्मिक ज्ञान ने लोगों को जीवन के गहरे सच से अवगत कराया। स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों के चलते उन्होंने अपनी पद यात्रा भी स्थगित कर दी थी, जिससे उनके भक्त चिंता में थे। लेकिन उनकी हिम्मत और विश्वास ने सभी का दिल जीता है। मुलाकात के दौरान प्रेमानंद जी ने एल्विश यादव से पूछा कि क्या वे भगवान का नाम जप करते हैं। जब एल्विश ने बताया कि वे यह करते नहीं हैं, तो गुरुजी ने उन्हें बड़े प्यार से प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नाम जपने से नुकसान नहीं होगा बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रेमानंद जी ने सुझाव दिया कि वे रोजाना 10,000 बार 'राधा' नाम का जप करें। इस पर एल्विश ने पूरी विनम्रता से सहमति जताई और यह संकल्प लिया। प्रेमानंद जी ने आगे समझाया कि अगर वे हाथ में शराब लेकर दिखाएंगे तो लोग उनसे वही सीखेंगे, लेकिन अगर वे 'राधा' का नाम जपेंगे तो उनके अनुयायी भी उसी रास्ते पर चलेंगे। इस बात ने एल्विश यादव के फैंस को उनके आध्यात्मिक बदलाव और जीवन में सकारात्मक कदम उठाने की प्रेरणा दी। सोशल मीडिया पर लोग उनकी भक्ति और संत के मार्गदर्शन का पालन करने की इच्छा की खूब तारीफ कर रहे हैं। एल्विश यादव और प्रेमानंद जी के बीच यह बातचीत दर्शकों को आध्यात्मिकता, जीवन की सच्चाइयों और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित कर रही है। वीडियो में दोनों के बीच की यह आत्मीयता और गहरी बातें लोगों के दिलों को छू रही हैं।

लौटने वाले हैं। इसकी घोषणा से ही फिल्म ने फैंस और इंडस्ट्री में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दी है। फिल्म में राम चरण को एक्शन से भरपूर अवतार में देखा जाएगा, जो एक नई और दमदार बदलती छवि का वादा करता है और जो पहले ही हर तरफ चर्चा का विषय भी बन गया है। जैसे–जैसे फिल्म पूरी होने के करीब आ रही है, मेकर्स की हर नई अपडेट से एक्साइटमेंट और बढ़ रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेड्डी का अगला शूटिंग शेड्यूल आज पुणे में शुरू होने वाला है, जहां टीम एक ग्रैंड सॉन्ग सीक्वेंस शूट करेगी। यह गाना, जिसे मास ब्लॉकबस्टर बताया जा रहा है, किसी और ने नहीं बल्कि फेमस कोरियोग्राफर जानी मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है, जो इंडियन सिनेमा के सबसे चर्चित डांस नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। अब तक फिल्म की लगभग 60: शूटिंग पूरी हो चुकी है, और मेकर्स ने हाल ही में फिल्म के पहले हिस्से का एडिट भी फाइनल कर लिया है। टैलेंटेड डायरेक्टर बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित, पेड्डी राम चरण को एक ऐसे अवतार में दिखाने का वादा करती है, जो पहले कभी नहीं देखा गया, जिसमें जबरदस्त एक्शन, रोमांचक कहानी और हाई–वोल्टेज एंटरटेनमेंट का मेल होगा। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित, पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवराजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी हैं। इसे वेंकटा सतीश किलारु ने प्रोड्यूस किया है, और फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

भीषण ठंड के लिए तैयार रहिए! अक्टूबर में ही हो गया दिसंबर जैसा हाल

हिमाचल प्रदेश में बारिश और बफर्बारी जारी रहने के कारण प्रदेश के सभी हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और मनाली–लेह मार्ग अवरुद्ध हो जाने से लद्दाख की ओर जाने वाले वाहनों को दारचा में रोक दिया गया है। मौसम विभाग कार्यालय ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में इस साल बहुत जल्दी बफर्बारी हुयी है। इससे पहले, केलांग में 11 अक्टूबर, 2018 को छह सेंटीमीटर शुरुआती बफर्बारी दर्ज की गयी थी। इस बार छह अक्टूबर को 25 सेंटीमीटर से ज्यादा बफर्बारी दर्ज की गयी। राज्य के औसत अधिकतम तापमान में सामान्य से 11.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम विभाग ने बताया कि चंबा का अधिकतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 14.8 डिग्री सेल्सियस , डलहौजी का तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस से गिरकर सिफर्द 6.3 डिग्री सेल्सियस एवं मनाली का तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के बाद 10.8 डिग्री सेल्सियस , कांगड़ा का तापमान 13.0 डिग्री की गिरावट के बाद 17.0 डिग्री, मंडी का तापमान 13.0 डिग्री की गिरावट के बाद 16.8 डिग्री, बिलासपुर का तापमान 13.5 डिग्री की गिरावट के बाद 17. 9 डिग्री और हमीरपुर का तापमान 14.8 डिग्री की गिरावट के बाद 16.6 डिग्री दर्ज किया गया है। इसी तरह, ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से नीचे चला गया। कल्पा और केलांग का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे चला गया। अधिकारियों ने बताया कि बफर्बारी के कारण मनाली–लेह मार्ग अवरुद्ध हो गया और लद्दाख की ओर जाने वाले वाहनों को दारचा में रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि लाहौल–स्पीति , गोंधला में 30 सेमी, केलांग में 15 सेमी, हंसा में 5 सेमी और कुकुमसेरी में 3.2 सेमी बफर्बारी हुई। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार राज्य के निचले और मध्यम पहाड़ी क्षेत्रों में मध्यम से बहुत भारी बारिश हुई। नैना देवी में कल शाम से 132.6 मिमी बारिश हुयी। हिमाचल प्रदेश में एक से सात अक्टूबर तक मानसून के बाद के मौसम की सामान्य 6.1 मिमी बारिश के मुकाबले 44.2 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 625 प्रतिशत अधिक है।

अब महंगे ट्रीटमेंट नहीं, आटे की लोई से चेहरे के अनचाहे बाल हटाएं, पाएं प्राकृतिक निखार

अगर आप रोजाना आटे की लोई से चेहरे पर रोल करती हैं, तो इससे अच्छा रिजल्ट्स देखने को मिल सकता है। यह नुस्खा 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। जोकि पहले हमारी दादी–नानी इस्तेमाल किया करती हैं। ऐसे में आज हम आपको इस आसान और असरदार नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई सारे ट्रीटमेंट मौजूद हैं। वहीं मार्केट में कई हेयर रिमूवल प्रोडक्ट्स भी आते हैं, जोकि बालों को टेंपरेरी हटा देते हैं। लेकिन यह ट्रीटमेंट महंगे होने के साथ ही कम प्रभावशाली होते हैं। हालांकि इनसे आपको फौरन ही फायदा मिल जाता है, लेकिन कुछ समय बाद चेहरे पर वापस बाल आ जाते हैं। बार–बार चेहरे पर बाल आने से खूबसूरती बिगड़ती है दिखने में भी यह गंदा लगता है। इसलिए हम सभी ऐसे नुस्खों की तलाश में रहते हैं, जो बिना किसी साइड इफेक्ट और कम पैसों में फेस के बालों को हमेशा के लिए रिमूव कर दे। ऐसे में अगर आप रोजाना आटे की लोई से चेहरे पर रोल करती हैं, तो इससे अच्छा रिजल्ट्स देखने को मिल सकता है। यह नुस्खा 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। जोकि पहले हमारी दादी–नानी इस्तेमाल किया करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस आसान और असरदार नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप रोजाना घर पर ट्राई कर सकती हैं।

ऐसे हटाएं चेहरे के अनचाहे बाल

कई महिलाओं को फेस पर बाल निकलने की शिकायत होती है। ऐसा तब होता है, जब शरीर में एंड्रोजन हार्मोन बढ़ जाते हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक पुरुषों के शरीर में एंड्रोजन हार्मोन ज्यादा होते हैं और इसी के कारण उनके फेस पर दाढ़ी–मूछ आती है। लेकिन जब यह हार्मोन महिलाओं की बॉडी में ज्यादा हो जाते हैं, तो फेस के साथ शरीर के अन्य हिस्सो में भी बाल आने लग जाते हैं। इनको हटाने के लिए अगर आप एक नुस्खा फॉलो करती हैं, तो कुछ ही समय में आपको अच्छे रिजल्ट देखने को मिल जाएंगे।

सामग्री

आटा– 1 कप गेहूं का

पानी– 1/2 कप

हल्दी– 1 छोटा चम्मच

सरसों का तेल– 1 बड़ा चम्मच

विधि

एक पतीला लेकर उसमें गेहूं के आटा, हल्दी, पानी और तेल आदि को डालकर अच्छे से गूंथ लें। इसकी एक लोई तैयार कर लें और इस लोई को फेस पर रोल करना है। कम से कम 5 मिनट चेहरे पर रोजाना लोई को रोल करें। ऐसा करने से फेस के बाल आसानी से लोई में निकलकर चिपक जाएंगे। वहीं इस बात का ख्याल रखें कि यह काम आपको आहिस्ता–आहिस्ता करना चाहिए। जब बाल खुद ही टूट–टूटकर लोई में चिपकते हैं, तो इससे आपके चेहरे पर दाने नहीं उभरते हैं। लेकिन जब आप चेहरे के बालों को जबरदस्ती खींचते हैं तो फेस पर दाने उभर सकते हैं। जोकि काफी दर्दनाक और भद्दे होते हैं।

अन्य्य फायदे

अगर फेस पर टैनिंग है या फिर डेड स्किन की परत जमी है, तो आटे की लोई को फेस पर रोल करने से फायदा हो सकता है। रोजाना चेहरे आटे की लोई रगड़ने से स्किन पोर्स साइज कम होता है। इससे फेस की स्किन पर कसाव आता है। अगर आप रोजाना फेस पर आटे की लोई रोल करती हैं, तो इससे आपके चेहरे की रंगत साफ होती है। इससे स्किन टोन पहले से ज्यादा ब्राइट होती है।

शीशे सी चमकेगी त्वचा, बस चेहरे पर लगाएं इस आटे का फेसपैक

चावल के आटे का उपयोग स्किनकेयर में सदियों से किया जा रहा है, क्योंकि इसमें त्वचा के लिए कई लाभकारी गुण होते हैं। चावल के आटे में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं, जो त्वचा को निखारने, टैनिंग हटाने, और उसे मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। यहां कुछ चीजें हैं, जिन्हें चावल के आटे में मिलाकर आप चेहरे पर लगाकर अद्भुत निखार पा सकती हैं।

चावल का आटा और दूध

2 चम्मच चावल के आटे में 2 चम्मच कच्चा दूध मिलाएं और पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 15–20 मिनट तक लगाकर रखें और फिर हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए धो लें। दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को हाइड्रेट करता है और नमी प्रदान करता है, जबकि चावल का आटा मृत त्वचा को हटाता है और त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारता है।

चावल का आटा और एलोवेरा जेल

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा जेल त्वचा को मॉइश्चराइज करता है और उसे मुलायम बनाता है। यह पेस्ट चेहरे की जलन और रेडनेस को भी कम करता है।

चावल का आटा और शहद

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच शहद मिलाएं और इसे चेहरे पर लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक लगाए रखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। शहद प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और मॉइश्चराइजर है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है और एक नेचुरल ग्लो लाता है। चावल का आटा त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जिससे त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है।

चावल का आटा और दही

2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच दही मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर धो लें। दही में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और उसे मुलायम बनाता है। यह पैक स्किन टोन को भी बेहतर बनाता है और त्वचा की चमक को बढ़ाता है।

चावल का आटा और हल्दी

2 चम्मच चावल के आटे में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर धो लें। हल्दी में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा की सूजन को कम करते हैं और उसे साफ और चमकदार बनाते हैं।

इन पैक्स का उपयोग सप्ताह में 2–3 बार करें ताकि आपको बेहतर परिणाम मिल सकें।

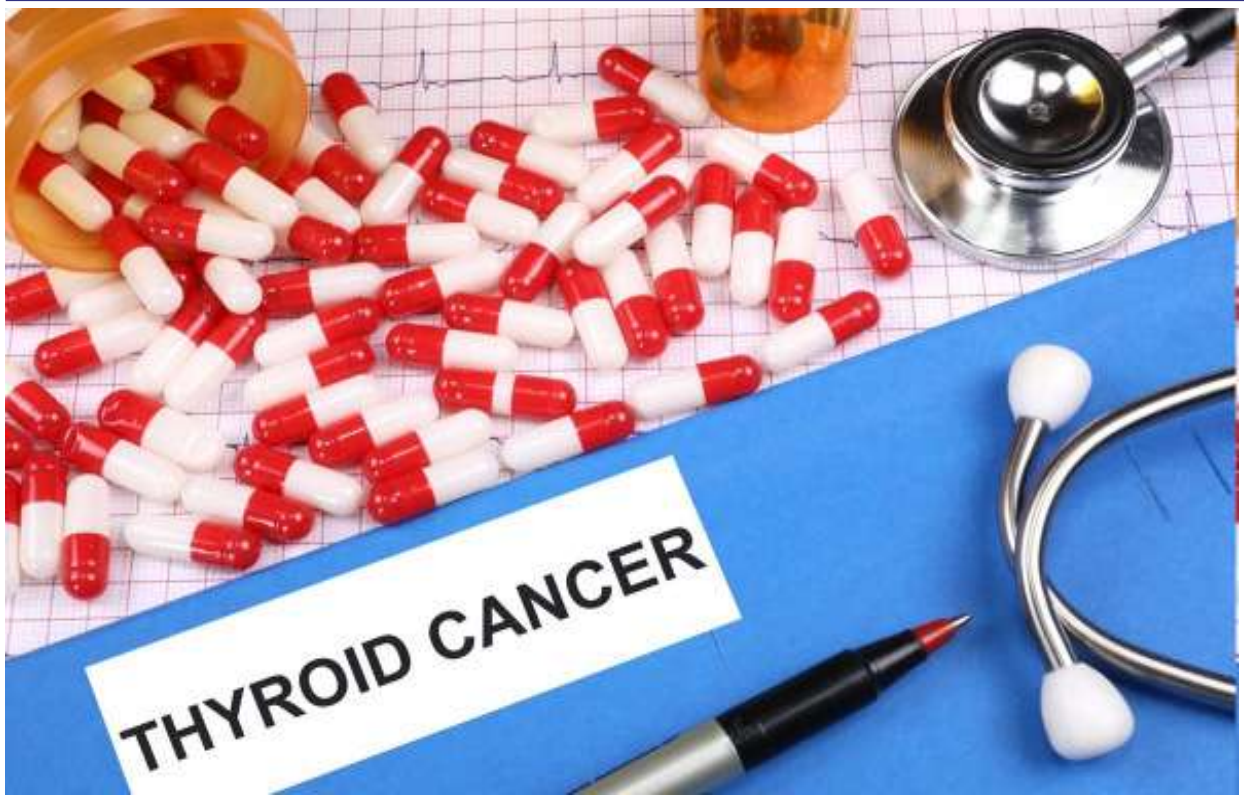

डरें नहीं थायराइड कैंसर लाइलाज नहीं, 5 बड़े मिथक तोड़कर जानें इलाज की सच्चाई

लोगों में थायराइड कैंसर को लेकर कई तरह के भ्रम मिथक फैले हुए हैं। जिस कारण लोग सही से इलाज और जानकारी से वंचित रह जाते हैं। जैसे ही गले में गांठ महसूस होती है या फिर थायराइड की समस्या होती है, तो लोग डर जाते हैं और इंटरनेट पर या फिर सुनी–सुनाई बातों पर भरोसा करने लगते हैं। ऐसे में समय रहते लोग डॉक्टर से सलाह नहीं लेते और कई बार गलत इलाज का शिकार हो जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, समय पर पहचान और सही इलाज से थायराइड कैंसर का इलाज आसान हो जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको थायराइड कैंसर से जुड़े 5 आम मिथकों और इसके पीछे की सच्चाई के बारे में बताने जा रहे हैं।

थायराइड की दवा खाने से हो जाता है कैंसर

थायरॉइड हार्मोन रिप्लेसमेंट दवा से कैंसर नहीं होता है। बल्कि यह दवाएं शरीर में हार्मोन का संतुलन बनाए रखती है और थायराइड ग्रंथि की समस्या को भी कम करती है।

सिर्फ बुजुर्गों को होता है थायराइड

यह भी एक मिथ है कि थायराइड कैंसर सिर्फ बुजुर्गों को होता है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है और खासकर 20–40 साल की उम्र वाली महिलाओं को थायराइड कैंसर का खतरा अधिक रहता है।

रेडिएशन एक्सपोजर से होता है थायराइड कैंसर

हालांकि बचपन में रेडिएशन के संपर्क में आना खतरे को बढ़ा सकता है। लेकिन सिर्फ इसी वजह से थायराइड कैंसर नहीं होता है। हार्मोनल बदलाव, आनुवांशिक कारण और कुछ पर्यावरणीय फैक्टर भी जिम्मेदार हो सकते हैं।

लाइलाज है थायराइड कैंसर

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक थायराइड कैंसर का इलाज संभव है। सही समय पर इलाज, दवा और सर्जरी से इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। यह सिर्फ एक मिथक है, इसलिए इस पर यकीन न करें।

थायराइड गांठ कैंसर का संकेत

बता दें कि हर थायराइड गांठ कैंसर नहीं होती है। अधिकतर गांठें सौम्य होती हैं और सही जांच जैसे अल्ट्रासाउंड से ही कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की पुष्टि होती है।

थायराइड कैंसर के बारे में फैली गलत धारणाएं लोगों को डराती हैं और सही जानकारी न होने के कारण सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह और सही जानकारी से आप इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

संक्षिप्त

ट्रंप प्रशासन ने भारतीय जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना टाली, प्रमुख दवा कंपनियों को बड़ी राहत

वॉशिंगटन से आई एक बड़ी खबर ने भारतीय फार्मा उद्योग और अमेरिकी मरीजों दोनों को राहत दी है। ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल भारतीय जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना टाल दी है, जिससे भारत की प्रमुख दवा कंपनियाँ सिप्ला, सन फार्मा और डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ ने राहत की सांस ली है। दरअसल, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली करीब आधी जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, जिन पर टैरिफ लगने से दवाओं के दाम बढ़ सकते थे और आम अमेरिकियों की जेब पर सीधा असर पड़ता। ट्रंप प्रशासन के कुछ सलाहकारों का मानना था कि "मेक इन अमेरिका" नीति के तहत दवा निर्माण को वापस अमेरिका में लाना चाहिए, जबकि कई आर्थिक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि ऐसा करने से दवाओं की कीमतें आसमान छू सकती हैं और बाजार में दवाओं की कमी भी हो सकती है। फिलहाल सरकार ने समझदारी दिखाते हुए जांच का दायरा सीमित कर दिया है और भारत से आने वाली सस्ती दवाओं पर टैरिफ का विचार रोक दिया है। आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ 2022 में भारतीय दवाओं की वजह से अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम को करीब 219 अरब डॉलर की बचत हुई। यही नहीं, पिछले एक दशक में भारत की जेनेरिक दवाओं ने अमेरिका को 1.3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की बचत कराई है। भारत को यूं ही "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" नहीं कहा जाता अमेरिका में ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन, कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज़ और पेट से जुड़ी ज्यादातर बीमारियों की दवाएं भारतीय कंपनियों से ही आती हैं। सरकार के इस फैसले के बाद एक बात साफ है भारत की दवा इंडस्ट्री न सिर्फ दुनिया की सेहत संभाल रही है, बल्कि अमेरिकी जेब भी बचा रही है। फिलहाल, अमेरिकी मरीज "कम दाम, बेहतर इलाज" के इस भारतीय फॉर्मूले का फायदा उठाते रहेंगे।

सरकार का कर्ज घटने की उम्मीद, केयरएज रिपोर्ट में राज्यों की फ्रीबीज कल्चर पर जताई गई चिंता

नई दिल्ली। भारत का कुल सरकारी कर्ज आने वाले वर्षों में धीरे–धीरे कम होने की उम्मीद है। केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कर्ज वर्तमान में जीडीपी के लगभग 81 प्रतिशत पर है, जो वित्त वर्ष 2031 तक घटकर करीब 77 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2035 तक और कम होकर 71 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर जहां कई देशों का सरकारी कर्ज बढ़ रहा है, वहीं भारत राजकोषीय स्थिरता के मार्ग पर अग्रसर है। इसका श्रेय लगातार मजबूत जीडीपी वृद्धि दर और केंद्र सरकार की सतर्क वित्तीय नीतियों को दिया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि केंद्र के सतत आर्थिक विकास और जीडीपी की वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने से देश के मध्यम अवधि के ऋण समेकन को समर्थन मिलने की उम्मीद है। आर्थिक विस्तार और राजस्व सृजन पर निरंतर ध्यान देने के साथ–साथ बेहतर राजकोषीय अनुशासन को ऋण स्तर में अपेक्षित गिरावट के प्रमुख कारक के रूप में देखा जा रहा है।

फ्रीबीज नीतियों को लेकर दी गई चेतावनी

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी है कि भारत का कुल राज्य कर्ज अभी भी ऊंचे स्तर पर बना हुआ है, जो देश की समग्र वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इसमें कहा गया है कि कुछ राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं के वितरण से राज्य कर्ज में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति बनी हुई है। इसमें कहा गया कि फ्रीबीज नीतियों के कारण स्थायी रूप से ऊंचा बना राज्य कर्ज भविष्य में निगरानी योग्य चिंता का विषय है।

एपीएसी क्षेत्र को लेकर अनुमान

रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया–प्रशांत (।च।ठ) क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं में आने वाले वर्षों में सरकारी कर्ज का रुझान एक जैसा नहीं रहेगा, बल्कि यह विभिन्न दिशाओं में आगे बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, एपीएसी क्षेत्र में घटती महंगाई से केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीतियों के मोर्चे पर अधिक लचीलापन मिलेगा। इसमें कहा गया है कि महंगाई में कमी और ब्याज दरों में नरमी के साथ, अधिकांश एपीएसी देशों के पास आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने के लिए मौद्रिक नीति का पर्याप्त दायरा होगा। भारत को लेकर रिपोर्ट ने कहा कि सतर्क राजकोषीय नीति और स्थिर आर्थिक विकास देश के लिए कर्ज घटाने की दिशा में सकारात्मक परिदृश्य तैयार कर रहे हैं। हालांकि, इसमें यह भी जोड़ा गया कि राज्यों के वित्तीय रुझानों और ब्याज भुगतान दायित्वों की निगरानी जारी रखना भारत के लिए आवश्यक होगा ताकि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

एसबीआई की डिजिटल सेवाएं 11 अक्तूबर को एक घंटे के लिए अस्थायी रूप से रहेंगी बंद, बैंक ने दी जानकारी

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने शनिवार, 11 अक्तूबर को सुबह के शुरुआती समय में नियोजित मेंटेनेंस की जानकारी दी है। इसके दौरान बैंक की कई डिजिटल सेवाएं अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी।

किस समय सेवाएं होंगी प्रभावित?

एसबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, इमीडिएट पेमेंट सर्विस (IMPS), YONO, इंटरनेट बैंकिंग, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर और रियल–टाइम ग्रॉस सेटलमेंट जैसी सेवाएं 1:10 बजे से 2:10 बजे तक प्रभावित रहेंगी। बैंक ने बताया कि सभी सेवाएं 2:10 बजे के बाद सामान्य रूप से दोबारा शुरू हो जाएंगी।

एसबीआई ने किया ग्राहकों से अनुरोध

एसबीआई ने अपने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे अपने लेन–देन की योजना इसी के अनुसार बनाएं। बैंक ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान, उपयोगकर्ता जरूरी लेन–देन के लिए एटीएम सेवाओं और यूपीआई लाइट का उपयोग जारी रख सकते हैं।

क्या स्मृति मंधाना को लग गई नजर! महिला विश्व कप में रन के लिए जूझ रहीं, शीर्ष–15 बल्लेबाजों में उनका नाम नहीं

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्व कप 2025 की शुरुआत से पहले दुनिया भर की महिला क्रिकेटरों से जब पूछा गया कि श्कौन–सी खिलाड़ी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा प्रभाव डालेगी?श तो लगभग सभी ने एक ही नाम लिया– स्मृति मंधाना। पाकिस्तान की फातिमा सना, श्रीलंका की विशमी गुणारत्ने, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और जेस कर और इंग्लैंड की लॉरेन बेल, सभी ने स्मृति का नाम लिया, लेकिन अब वही स्मृति मंधाना रनों के लिए जूझती हुई नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट की शीर्ष–15 बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल नहीं हैं।

मंधाना की फॉर्म बनी भारत के लिए चिंता का विषय

भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना से इस विश्व कप में बड़ी उम्मीदें थीं। वे अपनी तकनीक, टाइमिंग और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही थीं। हालांकि, अब तक खेले गए मैचों में वह अपनी लय नहीं पकड़ पाई हैं। शुरुआती पारियों में उनका औसत बेहद गिरा हुआ है और स्ट्राइक रेट भी प्रभावशाली नहीं रहा।

आईसीसी टूर्नामेंट्स में मंधाना का औसत प्रदर्शन

मंधाना का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन भी औसत रहा है। वनडे में जहां उनका करियर औसत 47.06 का और स्ट्राइक रेट 89.61 का है, वहीं टी20 में उनका करियर औसत 29.93 का और स्ट्राइक रेट 123.97 का है। हालांकि, महिला वनडे विश्व कप में मंधाना का औसत घटकर 34.05 का और स्ट्राइक रेट 82.94 का हो जाता है, जबकि टी20 विश्व कप में औसत घटकर 21.83 का और स्ट्राइक रेट 114.41 का हो जाता है।

मंधाना का अब तक रिकॉर्ड

मंधाना अब तक तीन पारियों में 18.00 की औसत से 54 रन बना पाई हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 72.97 का रहा है। वह अब तक सात चौके और एक छक्का लगा सकी हैं। वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में 22वें स्थान पर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मंधाना ओवरथिंकिंग और दबाव का शिकार हो रही हैं।

हरमनप्रीत ने शीर्ष क्रम पर फोड़ा था ठीकरा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने मिताली राज ने कमेंट्री के दौरान कहा, श्जब हर कोई आपसे उम्मीद रखता है, तो कभी–कभी खिलाड़ी खुद पर ज्यादा दबाव महसूस करने लगता है। स्मृति को बस अपने नैचुरल गेम पर लौटने की जरूरत है।श मंधाना के जल्दी आउट होने की वजह से भारत ने अब तक कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं की है और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद शीर्ष क्रम पर ही हार का ठीकरा फोड़ा।

सोशल मीडिया पर फैंस बोले– नजर लग गई!

स्मृति की गिरती फॉर्म पर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि लगता है इतनी सारी स्टार्स ने एक साथ मंधाना का नाम लिया तो उन्हें नजर लग गई। कई प्रशंसकों ने कहा कि स्मृति जल्द ही वापसी करेंगी, क्योंकि उनकी प्रतिभा और क्लास पर कोई सवाल नहीं। एक और फैन ने लिखा, स्मृति सिर्फ एक पारी दूर हैं, फॉर्म में लौटते ही सबको जवाब देंगी।

टीम इंडिया को चाहिए ओपनिंग में ठोस शुरुआत

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस समय अपने मध्यक्रम पर निर्भर दिख रही है। ऐसे में ओपनर स्मृति मंधाना की वापसी टीम के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। भारत को आगामी मैचों में मजबूत शुरुआत की आवश्यकता है, जो स्मृति ही दे सकती हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में स्मृति मंधाना अपने पुराने अंदाज में लौटेंगी। भारत का अगला मैच 12 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया से है।

दक्षिण अफ्रीका ने रोका भारत का विजय रथ

लाउरा–क्लार्क के अर्धशतक; ऋचा की मेहनत पर फिरा पानी

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट हरा दिया। गुरुवार को महिला विश्व कप का रोमांचक मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला गया जिसमें भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऋचा घोष की 94 रनों की पारी की बदौलत 49.5 ओवर में 10 विकेट पर 251 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में सात विकेट खोकर 252 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके लिए कप्तान लाउरा वोलवार्ड्ट ने 70 और नादिन डी क्लार्क ने नाबाद 84 रन बनाए। भारत के लिए क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने दो–दो विकेट लिए जबकि अमनजोत कौर, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने एक–एक विकेट झटके।

भारतीय महिला टीम का विजय रथ थमा

इस शिकस्त के साथ भारतीय महिला टीम का विजय रथ थम गया। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने श्रीलंका को 59 रन और पाकिस्तान को 88 रन से हराया था। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम चार अंक और –0.888 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। वहीं, भारतीय महिला टीम तीन में से दो जीत और एक हार के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है। उसके खाते में भी चार अंक हैं और नेट रन रेट +0.959 है। शीर्ष दो स्थानों पर क्रमशरू ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें हैं।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत निराशाजनक रही। क्रांति गौड़ ने अपनी धारदार गेंदबाजी से शुरुआत में ही तजमिन ब्रिट्स (0) को शानदार रिटर्न कैच आउट किया। इसके बाद मारिजन कैप, सुने लूस, एनेके बॉश और सिनालो जाफ्ता जल्दी–जल्दी आउट हो गईं और स्कोर 81/5 पर सिमट गया। हालांकि, कप्तान लाउरा वोलवार्ड्ट (70) ने डटकर बल्लेबाजी की और क्लो ट्रायन (49) के साथ छठे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर पारी को संभाला। जब वोलवार्ड्ट को गौड़ ने शानदार यॉर्कर पर बोल्ड किया, तब अफ्रीका 142/6 पर था और टीम जीत से अब भी 110 रन दूर थी। इस मुश्किल घड़ी में ट्रायन और नादिन डी क्लार्क ने आक्रामक खेल दिखाया। डी क्लार्क ने दो शानदार छक्कों के साथ दबाव हटाया और सातवें विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। अंत में डी क्लार्क ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और 84 रन (54 गेंद, नाबाद) की तूफानी पारी खेलते हुए टीम को 48.5 ओवर में 252/7 तक पहुंचा दिया।

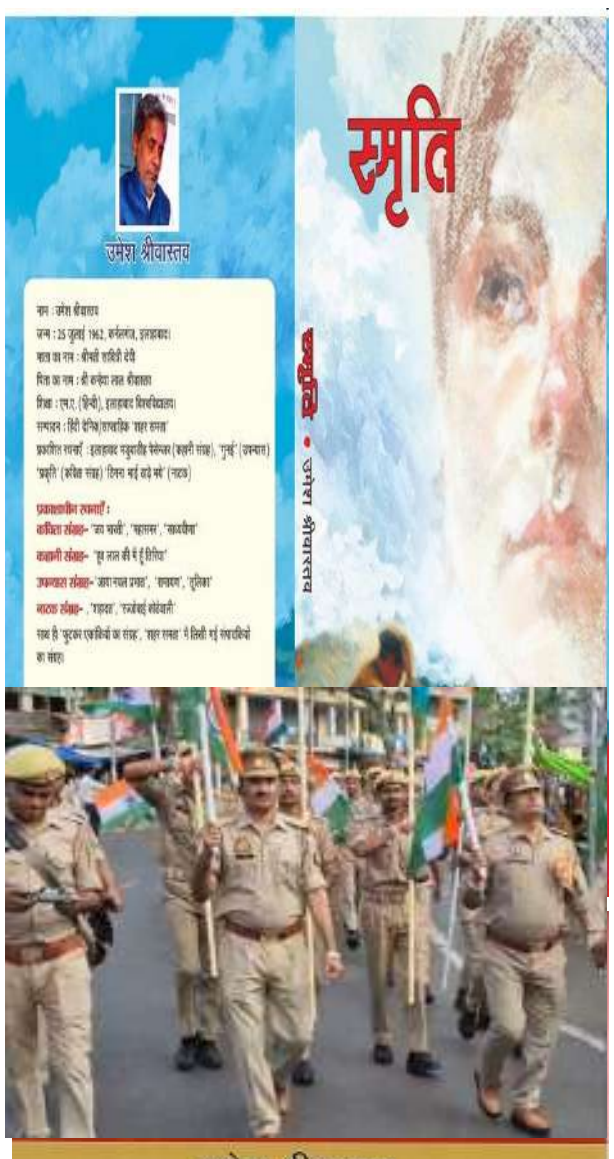

उमेश श्रीवास्तव

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

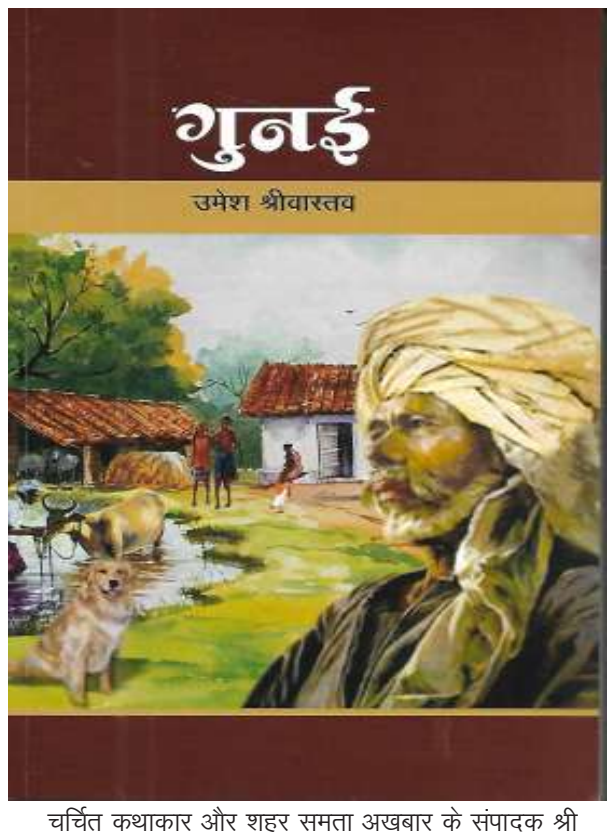

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

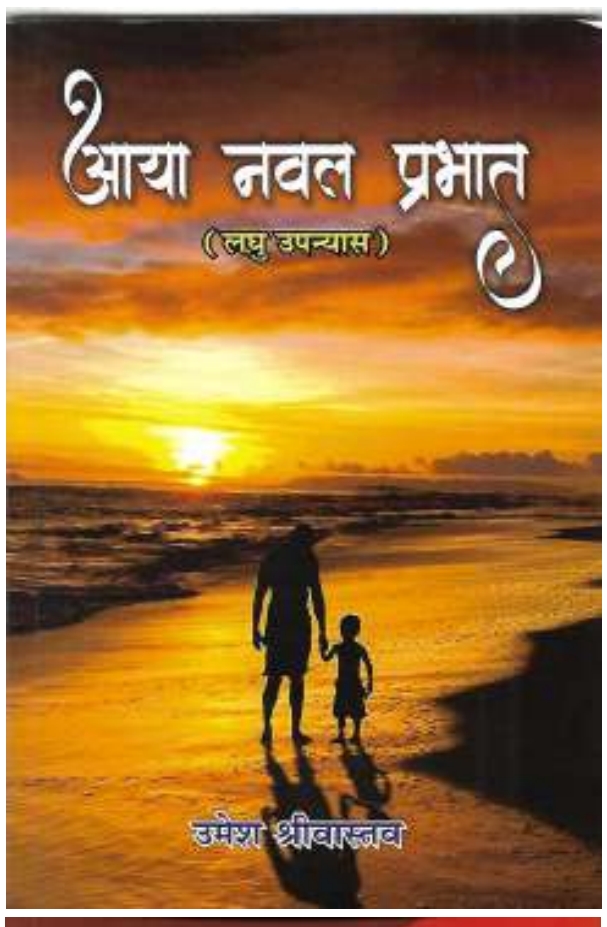

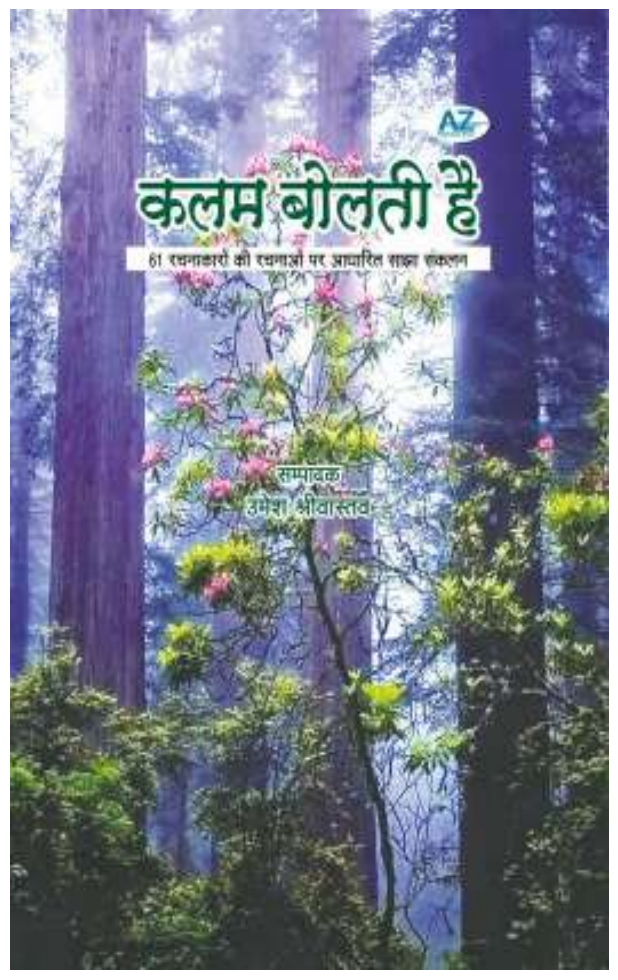

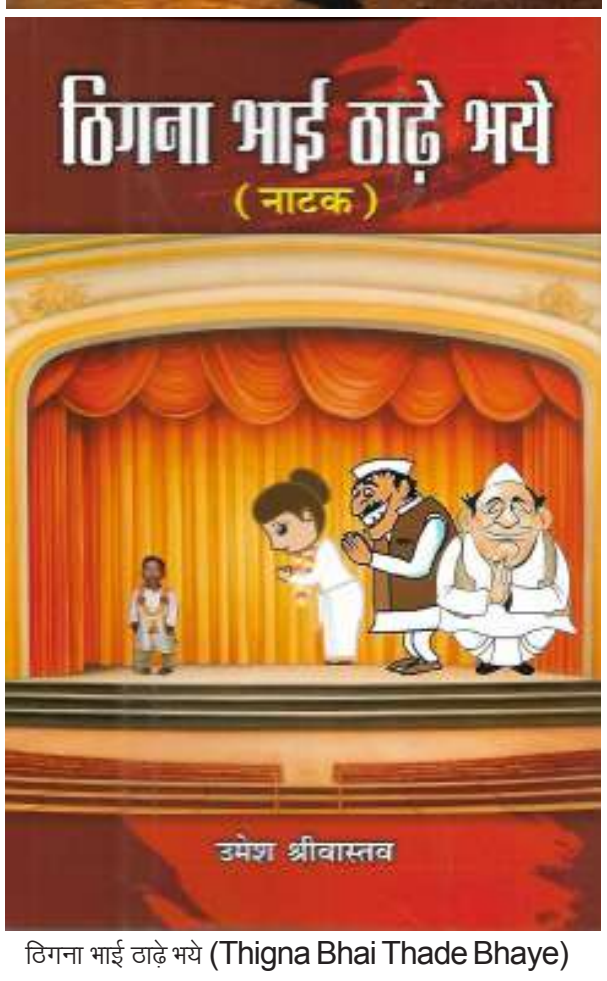

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शुभचिंतक के रूप में भारत की आपमें गहरी रुचि है, पाकिस्तान के सबसे बड़े दुश्मन को बिठाकर जयशंकर ने अच्छे से समझाया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की। 2021 में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान द्वारा काबुल में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से दोनों देशों के बीच पहली उच्च स्तरीय बातचीत हुई। मुत्तकी और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए जयशंकर ने कहा हम आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते

हैं। यह यात्रा हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। पहलगाम हमले और अफ़ग़ानिस्तान में आए भूकंप के दौरान हमें एक–दूसरे से बात करने का अवसर मिला। व्यक्तिगत रूप से मिलने से दृष्टिकोण बदलने और हितों को साझा करने में विशेष लाभ होता है। एक निकटवर्ती पड़ोसी और अफ़ग़ान लोगों के शुभचिंतक के रूप में भारत आपके विकास और प्रगति में गहरी रुचि रखता है। इस नए जुड़ाव के बीच, जयशंकर ने घोषणा की कि भारत काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जो तालिबान शासित प्रशासन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कूटनीतिक कदम होगा। जयशंकर ने कहा कि भारत अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारे बीच घनिष्ठ सहयोग आपके राष्ट्रीय विकास के साथ–साथ क्षेत्रीय स्थिरता और लचीलेपन में भी योगदान देता है। इसे और मज़बूत करने के लिए, मुझे आज काबुल स्थित भारत के तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर पर उन्नत करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के तहत कई तालिबान नेताओं में शामिल मुत्ताकी, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद गुरुवार को नई दिल्ली पहुँचे। उनकी यह यात्रा रूस में अफ़ग़ानिस्तान पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के कुछ ही समय बाद हुई है, जिसमें भारत, चीन, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

रूस पर यूक्रेन ने छोड़े 110 से अधिक ड्रोन, मची तबाही

यूक्रेन ने रूस पर देर रात जोरदार हमला बोला है। रूस के सीमावर्ती क्षेत्र बेलगोरोड में यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने पिछले 24 घंटों में 110 से ज्यादा घातक ड्रोन छोड़े हैं। साथ ही 20 से ज्यादा राउंड गोलाबारी भी की है। व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि रूस के बेलगोरोड क्षेत्र के एक गाँव पर यूक्रेनी हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और नौ घायल हो गए। फुटेज और तस्वीरों में गवर्नर लोगों से बात करते और मास्लोवा प्रिस्तान गाँव में हमले वाली जगह पर हुए नुकसान का मुआयना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह हमला एक खेल और फिटनेस कॉम्प्लेक्स पर हुआ। ग्लैडकोव ने कहा कि इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई और दो आवासीय इमारतें और पाँच कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, यूक्रेन सोमवार से रूस के बेलगोरोड क्षेत्र पर हमला कर रहा था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन द्वारा नव विकसित लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोनों द्वारा रूसी तेल सुविधा पर किए गए हमलों से रूस में गैस की भारी कमी हो रही है। जेलेंस्की ने इसके साथ ही कहा कि युद्ध के मैदान में हाल ही में यूक्रेन द्वारा किए गए जवाबी हमले ने पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने की रूस की योजना को पटरी से उतार दिया है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की नयी मिसाइलों ने दर्जनों रूसी सैन्य डिपो को निशाना बनाया है। उन्होंने बताया कि रूटा मिसाइल ड्रोन ने हाल ही में 250 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर स्थित एक रूसी तेल सुविधा पर हमला किया। उन्होंने इसे नए हथियार की 'बड़ी सफलता' करार दिया। जेलेंस्की ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि रूस में ईंधन की कमी और बढ़ते आयात से पता चलता है कि यूक्रेन के हमलों का असर हो रहा हैं। उन्होंने कहा, मुख्य बात यह है कि (रूस) अब गैसोलीन आयात कर रहा है। ये एक संकेत है। यूक्रेनी खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि रूस ने बेलारूस से गैस का आयात छह गुना बढ़ा दिया है और आयात शुल्क हटा दिए हैं। साथ ही चीन से भी ईंधन आयात कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, हमारे आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने (रूस) हमारे द्वारा किए गए हमलों के बाद अपनी गैसोलीन आपूर्ति का 20 प्रतिशत तक खो दिया है।

फिलीपीन में 7.6 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का खतरा

फिलीपीन के एक दक्षिणी प्रांत में शुक्रवार सुबह 7.6 तीव्रता का भूकंप आया जिसके बाद सुनामी का खतरा पैदा हो गया। फिलीपीन के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान ने कहा कि इस भूकंप से नुकसान होने तथा बाद में और झटकों की आशंका है। भूकंप का केंद्र मनाय शहर से लगभग 62 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में दावाओ ओरिएंटल प्रांत के पास समुद्र में स्थित था। होनोलूलू स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप के कारण इसके केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में समुद्र में खतरनाक लहरें उठने की आशंका है। उसने बताया कि भूकंप के केंद्र के पास फिलीपीन के कुछ तटीय इलाकों में सामान्य से तीन मीटर तक ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

काबुल में पाकिस्तान का एयरस्ट्राइक: टीटीपी चीफ की मौत पर सस्पेंस, तालिबान–पाक संबंध और बिगड़े

काबुल दो शक्तिशाली विस्फोटों और उसके बाद स्वचालित गोलीबारी से दहल उठा। ख़बरों के अनुसार, पाकिस्तानी विमानों ने काबुल में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के शिविरों पर हवाई हमले किए, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। यह हमला तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की पहली भारत यात्रा के समय हुआ। ऐसा लगता है कि इस यात्रा ने पाकिस्तान को झकझोर दिया है क्योंकि नई दिल्ली अफ़ग़ानिस्तान में अपनी पहुँच बढ़ा रहा है। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने शहर के हवाई क्षेत्र में एक लड़ाकू विमान की आवाज़ सुनी। शीर्ष खुफ़िया सूत्रों का कहना है कि यह घटना तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रमुख नूर वली महसूद पर लक्षित हवाई हमला था, जो पूर्वी काबुल में टीटीपी और अल–क़ायदा के एक सुरक्षित ठिकाने से अपनी गतिविधियाँ संचालित कर रहा था। यह घटनाक्रम तालिबान के पाकिस्तान के साथ संबंधों में नाटकीय गिरावट के बीच हुआ है, जिसने लंबे समय से अफगानिस्तान पर पाकिस्तान तालिबान या तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को धन मुहैया कराने और हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है।

काबुल में पाकिस्तान के हवाई हमले

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, शहीद अब्दुल हक चौक के पास हुए हवाई हमले का उद्देश्य टीटीपी प्रमुख नूर वली महसूद को खत्म करना था, जिन्होंने 2018 में संगठन की कमान संभाली थी। सूत्रों ने पुष्टि की है कि हमले में परिसर को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया, लेकिन सीएनएन–न्यूज़18 को नूर वली महसूद का एक वॉइस मैसेज मिला है जिसमें उन्होंने पुष्टि की है कि वह सुरक्षित हैं और पाकिस्तान में हैं, हालाँकि उनका बेटा हमले में मारा गया। यह तथ्य कि निशाना एक उच्च–स्तरीय पाकिस्तानी आतंकवादी था, एक गुप्त, सीमा पार कार्रवाई का संकेत देता है। यह समयकृ पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा अफगानिस्तान पर आतंकवादियों को पनाह देने का सार्वजनिक आरोप लगाने के 48 घंटे के भीतरकृएक जवाबी हमले की ओर इशारा करता है, या तो सीधे पाकिस्तान द्वारा या इस्लामाबाद की महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी और संभावित जमीनी स्तर की सहायता से किसी तीसरे पक्ष द्वारा। महसूद, जिसने 9/11 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ पाकिस्तान के गठबंधन को विश्वासघात माना था, इस्लामाबाद के लिए लगातार सिरदर्द बना हुआ है। तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं, जिनमें सबसे ताज़ा हमला 8 अक्टूबर को हुआ था। बुधवार को अफ़ग़ान सीमा के पास टीटीपी द्वारा किए गए एक घातक हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित 11 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

अमेरिका ने दिया पाकिस्तान को बड़ा झटका!

एएमआरएएएम मिसाइलों की नई सप्लाई से साफ इनकार, व्हाइट हाउस का स्पष्टीकरण

अमेरिका ने शुक्रवार को पाकिस्तान को उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की आपूर्ति से इनकार किया। कई मीडिया संस्थानों ने दोनों देशों के बीच हो रही इस डील का दावा किया था। एक बयान में, व्हाइट हाउस ने कहा कि पाकिस्तान के साथ नया अनुबंध कुछ ''स्थायी वस्तुओं'' के लिए है और इसमें उक्त मिसाइलों की कोई नई आपूर्ति शामिल नहीं है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा, 30 सितंबर, 2025 को, युद्ध विभाग ने मानक अनुबंध घोषणाओं की एक सूची जारी की, जिसमें पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए रखरखाव और पुर्जों के लिए मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में संशोधन का उल्लेख था। प्रशासन इस बात पर ज़ोर देना चाहता है कि झूठी मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, इस संदर्भित अनुबंध संशोधन का कोई भी हिस्सा पाकिस्तान को नई उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एएमआरएएएम) की आपूर्ति के लिए नहीं है, आगे कहा गया, ष्इस अनुरक्षण में पाकिस्तान की किसी भी मौजूदा क्षमता का उन्नयन शामिल नहीं है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि दूतावास ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में जिस अनुबंध का ज़िक्र किया जा रहा है, वह ष्पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए अनुरक्षण और पुर्जोष् के लिए है। इसका संभावित अर्थ यह हो सकता है कि अनुबंध में उन मिसाइल भंडारों की पुनःपूर्ति शामिल हो सकती है जिनका पाकिस्तान ने हाल ही में उपयोग किया होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है, जहाँ पाकिस्तान और भारत दोनों की सेनाएँ हवाई युद्ध में शामिल थीं। पिछले कुछ दिनों में, कई मीडिया आउटलेट्स और क्षेत्रीय प्रकाशनों ने बताया है कि पाकिस्तान को अमेरिका से एआईएम–120 एएमआरएएएम मिसाइलें मिलने की संभावना है, जो संभावित रूप से उसके एफ–16 बेड़े को मज़बूत करेंगी और क्षेत्रीय हवाई संतुलन को बदल देंगी। ऐसी रिपोर्टों ने अटकलों को हवा दी है कि अमेरिका, बढ़ते तापमान के बीच पाकिस्तान को क्षमता उन्नयन की पेशकश कर रहा है। संबंध। अमेरिकी दूतावास का बयान इन बयानों का सीधा खंडन प्रतीत होता है। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि यह अनुबंध स्थायी प्रकृति का है, जिसका उद्देश्य मौजूदा प्रणालियों को बढ़ाने के बजाय उनका समर्थन करना है, जिससे वाशिंगटन की इस धारणा के प्रति संवेदनशीलता का संकेत मिलता है कि यह क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को प्रभावित कर सकता है। अमेरिकी युद्ध विभाग द्वारा 41.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के अनुबंध संशोधन को रेथियॉन मिसाइल्स एंड डिफेंस को AMRAAM C-8 और D-3 वेरिएंट के निरंतर उत्पादन के लिए प्रदान किया गया था। इस संशोधन के साथ अनुबंध का कुल मूल्य लगभग 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जिसका काम 30 मई, 2030 तक पूरा होने वाला है। इस अनुबंध में पाकिस्तान को शामिल करना 30 से अधिक सहयोगी देशों को शामिल करने वाले एक व्यापक विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम का हिस्सा है। दूतावास ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अनुबंध का उद्देश्य मौजूदा मिसाइल प्रणालियों के रखरखाव और रखरखाव का समर्थन करना है और यह पाकिस्तान की हवाई युद्ध क्षमताओं की नई बिक्री या वृद्धि का गठन नहीं करता है। इस स्पष्टीकरण का उद्देश्य चिंताओं का समाधान करना और समझौते की प्रकृति के बारे में गलत व्याख्याओं को रोकना है। अमेरिकी युद्ध विभाग की अनुबंध घोषणा रक्षा खरीद में एक मानक प्रक्रिया है, जिसमें कई देशों में अद्यतन, स्पेयर पार्ट्स और रखरखाव शामिल है।

इस्राइल विरोधी प्रदर्शन रोकने की कोशिश में जुटी शहबाज सरकार, इस्लामाबाद का मुख्य मार्ग–इंटरनेट बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में गाजा के समर्थन और इस्राइल के विरोध में हो रहे धार्मिक संगठन तेहरिक–ए–लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) का विरोध प्रदर्शन दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। ऐसे में प्रदर्शन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए और इसे रोकने के लिए प्रशासन ने

शुक्रवार को राजधानी इस्लामाबाद के मुख्य रास्ते बंद कर दिए और मोबाइल इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी। बता दें कि टीएलपी ने गाजा में हुई हत्याओं के खिलाफ मार्च की घोषणा की थी, जो क्षेत्र में शांति समझौते के बीच हो रहा था। बता दें कि आंतरिक मंत्रालय ने मुख्य रास्तों पर कंटेनर लगाकर रास्ता बंद कर दिया और पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) को मोबाइल इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया। यह सेवा मध्यरात्रि से अनिश्चितकाल के लिए बंद रहेगी।

शहर के अंदर–बाहर के रास्ते बंद

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने शहर के अंदर और बाहर के रास्ते बंद किए हैं और प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए दंगाइयों के खिलाफ तैयारियां कर रखी हैं। इतना ही नहीं रावलपिंडी में धारा 144 भी लागू कर दी गई है, जिसके तहत शहर में सभी प्रकार के प्रदर्शन, जुलूस और सभा पर रोक लगी है।

अमेरिकी दूतावास ने प्रदर्शनों को लेकर चेतावनी जारी की

वहीं इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास और लाहौर, कराची व पेशावर स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावासों ने खबर दी है कि 10 अक्टूबर 2025 को पाकिस्तान में कई जगह विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं। इन प्रदर्शनों के कारण सड़कों पर बंदिशें या मार्ग परिवर्तन होने की संभावना है। दूतावासों ने अमेरिकी नागरिकों से सलाह दी है कि वे बड़े समूहों से दूर रहें और अपनी सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखें।

इस्लामाबाद में रेड जोन पूरी तरह सील

टीएलपी का मुख्यालय लाहौर में छापा मारा गया और उसके नेता को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिससे हिंसक झड़पें हुईं। इस्लामाबाद में 'रेड जोन' पूरी तरह से सील कर दिया गया है, जहां महत्वपूर्ण सरकारी और दूतावास कार्यालय हैं। गौरतलब है कि टीएलपी मुसलमानों का कट्टर संगठन है, जिसने 2017 में संसद सदस्यों के शपथ–पत्र के मुद्दे पर सफल प्रदर्शन कर सरकार को अपनी नीतियां वापस लेने पर मजबूर किया था।

अमेरिका ने इराक युद्ध के अध्याय को बंद करने की ओर बढ़ाया ऐतिहासिक कदम, सीनेट में प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन। दो दशकों बाद अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध को कानूनी रूप से समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। अमेरिकी सीनेट ने गुरुवार को उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया, जिससे इराक पर अमेरिकी हमला शुरू हुआ था। यह फैसला वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन और इंडियाना के रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग के संशोधन के तहत लिया गया, जिसे सीनेट ने सर्वसम्मति से पारित किया। इससे पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने भी इसे मंजूरी दी थी। अब अंतिम कानून बनने की प्रक्रिया चल रही है। यह प्रस्ताव वर्जीनिया से डेमोक्रेटिक सीनेटर टिम केन और इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग द्वारा लाया गया था। इसे वार्षिक रक्षा विधेयक के तहत बिना किसी विरोध के मंजूरी दे दी गई। बता दें कि इराक युद्ध में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे और लाखों इराकियों की जान गई थी। युद्ध की शुरुआत उस समय हुई थी जब तात्कालिक अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश की सरकार ने दावा किया था कि इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन के पास विनाशकारी हथियार हैं।

ट्रंप को मिला रूस का साथ, क्या यूएस की झोली में फिर आएगा नोबेल शांति पुरस्कार

रूस ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उम्मीदवारी का समर्थन किया, जिसकी घोषणा आज नॉर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा की जानी है। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने कथित तौर पर पुरस्कार की घोषणा से कुछ घंटे पहले यह बयान दिया। मास्को ने बार–बार कहा है कि वह यूक्रेन में युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों की सराहना करता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने गुरुवार को प्रकाशित एक टिप्पणी में कहा कि अगर ट्रंप युद्धविराम कराने में सफल होते

हैं, तो कीव उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेगा। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप ने इस पुरस्कार के लिए आक्रामक प्रयास किए हैं, जिसमें सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करना भी शामिल है कि वे इसके हकदार हैं और नॉर्वे के अधिकारियों से बात करना भी शामिल है। नॉर्वे की नोबेल समिति पर दबाव तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम और संभावित शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद की। ट्रंप के बेटे एरिक ने एक्स पर एक पोस्ट में अपने फ़ॉलोअर्स से कहा अगर आपको लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं, तो रीट्वीट करें। इस बीच, व्हाइट हाउस के आधिकारिक अकाउंट ने भी एक्स पर ट्रंप की एक तस्वीर पोस्ट की और उन्हें "पीस प्रेसीडेंट" कहा। शुक्रवार को घोषणा से कुछ घंटे पहले, ट्रंप ने गाजा में समझौता कराने और आठ युद्धों को समाप्त करने में अपनी उपलब्धियों का बखान किया, साथ ही पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को कुछ न करने के लिए यह पुरस्कार दिए जाने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह पुरस्कार कुछ न करने के लिए मिला। ओबामा को एक पुरस्कार मिला – उन्हें पता भी नहीं था कि क्या वे चुने गए, और उन्होंने यह पुरस्कार ओबामा को हमारे देश को बर्बाद करने के अलावा कुछ न करने के लिए दिया।

ट्रंप की चतुर चाल या शायद 'गलतफहमी' के कारण हुआ इजराइल–हमास युद्ध विराम समझौता

कई महीनों के गतिरोध के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक चतुर चाल या शायद एक 'गलतफहमी' के कारण गाजा में इजराइल–हमास युद्ध विराम कुछ दिनों में समझौता हो गया और दोनों पक्ष इस पर राजी हो गए। बुधवार को घोषित इस समझौते के तहत अंतिम 48 बंधकों कि रिहायी तय हुई है, जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने की संभावना है। अमेरिका के दो वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, समय के साथ हमास के लिए बंधक बोझ बन गए थे, जिससे समझौते का रास्ता खुला। एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर के नेतृत्व में वार्ताकारों ने पाया कि ''हमास अब थक चुका है।''

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।